

करेंट अफेयर्स

छत्तीसगढ़

(संग्रह)



सितंबर

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़	4
☞ छत्तीसगढ़ में लुटी जलाशय में दरार	4
☞ फास्ट 5 सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप	5
☞ राष्ट्रीय इनक्व्यूबेटर पुरस्कार	6
☞ छत्तीसगढ़ में बाघों की आबादी हुई दोगुनी	8
☞ रायपुर में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान	9
☞ बाल विवाह उन्मूलन	10
☞ विकास शील छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव नियुक्त	11
राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स	12
☞ उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त	12
☞ डायमंड लीग 2025	13
☞ रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025	13
☞ युद्ध अभ्यास 2025	15
☞ आदि वाणी	15
☞ NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस	16
☞ इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस	17
☞ भारती पहल	18
☞ वैश्विक शांति सूचकांक (GPI)	19
☞ आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय	20
☞ यूएस ओपन 2025	22
☞ अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025	23

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



ब्लड मून.....	24
विश्व इयूशेन मस्कूलर डिस्ट्रॉफी दिवस	26
ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन.....	26
IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला.....	27
विनोबा भावे जयंती.....	28
ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन.....	30
विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025.....	32
महिला हॉकी एशिया कप 2025.....	33
राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025.....	34
31वाँ विश्व ओजोन दिवस	35
वैशाली रमेशाबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस् जीता	36
स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक	38
विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025	39
सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स.....	39
भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026.....	41
मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार.....	42
अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025	43
विश्व खाद्य भारत 2025.....	44
विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025	45
छठा नदी उत्सव	46
भगत सिंह की जयंती	47
भारत ने एशिया कप जीता	49
शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर.....	50

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में लुटी जलाशय में दरार

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर ज़िले के धनसपुर गाँव में स्थित लुटी (सातबहिनी) जलाशय में दरार आने से **अचानक बाढ़** आ गई, जिसके परिणामस्वरूप अनेक लोग घायल हो गए तथा संपत्ति को व्यापक क्षति पहुँची।

मुख्य बिंदु

लुटी जलाशय के बारे में:

- लुटी बाँध, जिसे लुटी (सतबहिनी) जलाशय के रूप में भी जाना जाता है, भारत के छत्तीसगढ़ के बलरामपुर ज़िले में विश्रामनगर के पास धनेशपुर गाँव में स्थित एक छोटा बाँध है।
- इसका निर्माण 1980 के दशक के प्रारंभ में हुआ था और यह स्थानीय **सिंचाई तथा कृषि** के लिये प्रमुख जल स्रोत के रूप में कार्य करता रहा है।
- रिपोर्टों में कई वर्षों से बाँध में रिसाव तथा **संरचनात्मक मज़बूती** को लेकर आशंकाएँ व्यक्त की जाती रही थीं, किंतु हाल ही में हुई तीव्र **मानसूनी वर्षा** ने इसकी जर्जर संरचना को प्रभावित कर दिया।

लुटी बाँध के बारे में मुख्य विवरण

विशेषता	विवरण
नाम	लुटी बांध
उद्देश्य	सिंचाई
नदी	उपका नाला
निकटतम नगर	सूरजपुर
ज़िला	सरगुजा
बेसिन	गंगा

आकस्मिक बाढ़ (Flash Flood)

परिभाषा:

- तीव्र वर्षा के दौरान या उसके तुरंत बाद जल स्तर में अचानक वृद्धि को **आकस्मिक बाढ़** (Flash flood) कहते हैं।
- यह अत्यधिक **स्थानीयकृत** और **अल्पकालिक** घटना होती है, जो सामान्यतः **वर्षा के 6 घंटे के भीतर** घटित होती है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ कारण:

- ❶ फ्लैश फ्लड मुख्यतः तीव्र वर्षा के कारण होती है, जो मृदा की अवशोषण क्षमता और जल निकासी प्रणालियों को प्रभावित करती है।
- ❷ भारी वर्षा के अतिरिक्त, अचानक तापमान वृद्धि, बाँध या तटबंधों के टूटने, हिम या मलबे के जमाव के कारण तथा **हिमनद् झीलों के अचानक फटने** के कारण तेजी से हिम विगलन से भी फ्लैश फ्लड आ सकती है।
- ❸ इसके अतिरिक्त, सड़कों और इमारतों जैसी अभेद्य सतहों वाले **शहरीकरण** से अपवाह बढ़ता है, जल अवशोषण कम होता है तथा बाढ़ का खतरा बढ़ता है।

❖ उदाहरण:

- ❶ हिमाचल प्रदेश (2023), उत्तराखंड (2013) तथा मुंबई (2005) में आई आपदाएँ भी भारी वर्षा के कारण हुई थीं, जिनसे जान-माल व्यापक हानि हुई।

फास्ट 5 सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की महिला टीमों ने हरियाणा के पलवल स्थित **नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम** में आयोजित चौथी फास्ट 5 सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 में कांस्य पदक जीते।

मुख्य बिंदु

❖ चैंपियनशिप के बारे में:



- ❶ यह चैंपियनशिप 28 से 31 अगस्त 2025 तक आयोजित की गई थी, जिसमें 26 राज्य टीमों ने भाग लिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



विजेता:

- राजस्थान टीम, जिसकी कप्तानी निधि शर्मा (जिन्होंने इससे पहले उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में टीम को स्वर्ण और रजत पदक दिलाया था) ने की, ने उत्कृष्ट टीमवर्क तथा प्रदर्शन किया।
- छत्तीसगढ़ टीम ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में कड़ी टक्कर देते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

महत्त्व:

- इन सफलताओं से नेटबॉल और अन्य खेलों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे लैंगिक सशक्तीकरण तथा युवा खेल विकास के दृष्टिकोण को समर्थन मिलेगा।

पदक विजेता

पुरुष वर्ग

- स्वर्ण – हरियाणा
- रजत – केरल
- कांस्य – तेलंगाना और पंजाब

महिला वर्ग

- स्वर्ण – हरियाणा
- रजत – पंजाब
- कांस्य – छत्तीसगढ़ और राजस्थान

नेटबॉल

- नेटबॉल एक तीव्र गति से खेला जाने वाला खेल है, जिसे दो टीमों के बीच खेला जाता है। प्रत्येक टीम में सात खिलाड़ी होते हैं, जिसका लक्ष्य एक आयताकार कोर्ट पर ऊँचे घेरे (रिंग) में बॉल डालकर गोल करना होता है।
- नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया भारत में नेटबॉल के लिये राष्ट्रीय शासी निकाय है।
- यह संस्था सभी राज्यों और आयु वर्गों में इस खेल को बढ़ावा देने, नियंत्रित करने तथा विकसित करने का कार्य करती है।

राष्ट्रीय इनक्यूबेटर पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर की इनोवेशन और उद्यमिता फाउंडेशन (FIE) को 13 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली के NDMC कन्वेंशन सेंटर में आयोजित चौथे भारत उद्यमिता शिखर सम्मेलन में राष्ट्रीय इनक्यूबेटर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

स्थापना:

- NIT रायपुर-FIE की स्थापना मार्च 2021 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के नवाचारों के विकास एवं उपयोग के लिये राष्ट्रीय पहल (NIDHI) कार्यक्रम के तहत एक गैर-लाभकारी प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर के रूप में की गई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ पुरस्कार का कारण:

- यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ में 35 से अधिक **स्टार्टअप्स** को मार्गदर्शन देने और प्रभावी तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिये दिया जा रहा है।
- स्टार्टअप्स में गवर्नेंस, मेडिकल डिवाइस, एनालिटिक्स, डीप-टेक, क्लीन टेक और ICT शामिल हैं।

❖ आयोजक:

- शिखर सम्मेलन का आयोजन **भारतीय उद्यमी संघ (EAI)** और सरकार द्वारा वित्तपोषित, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त इनक्यूबेशन केंद्र, **एंटरप्राइजिंग ज़ोन (EZ)** द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

❖ महत्व:

- छत्तीसगढ़ में युवाओं को मार्गदर्शन देकर भारत के **स्टार्टअप इकोसिस्टम** को सुदृढ़ करना।
- छत्तीसगढ़ को **नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित** करने में सहायता।
- उद्यमिता को बढ़ावा देने और तकनीकी आधारित आर्थिक विकास में योगदान।

नवाचारों के विकास एवं उपयोग के लिये राष्ट्रीय पहल (NIDHI)

❖ परिचय:

- यह एक अभूतपूर्व पहल है जिसे नवाचार को बढ़ावा देने, स्टार्टअप का समर्थन करने और भारत में एक संपन्न **उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र** का निर्माण करने के लिये अभिकल्पित किया गया है।
- इसमें विभिन्न घटक शामिल हैं जो देश भर में नवाचार-संचालित उद्यमों को बढ़ावा देने तथा उनमें तेज़ी लाने के लिये एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करते हैं

❖ निधि कार्यक्रम के घटक:

- निधि-प्रयास (युवा और महत्वाकांक्षी इनोवेटर्स तथा स्टार्टअप को बढ़ावा देना एवं उनमें तेज़ी लाना):

- यह नवीन विचारों को मूर्त प्रोटोटाइप में परिवर्तित करने पर केंद्रित है।
- यह प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट स्तर पर सलाह और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

- निधि उद्यमी-इन-रेज़िडेंस (EIR) कार्यक्रम:

- यह उद्यमिता अपनाने वाले छात्रों को फेलोशिप/छात्रवृत्ति प्रदान करता है।
- इसका उद्देश्य युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करना है।

❖ प्रमुख अभिकर्ता और सहयोगी:

- **वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR):**

- NIDHI अत्याधुनिक इनक्यूबेशन सुविधाओं को आकार देने और विकसित करने के लिये CSIR के साथ मिलकर सहयोग करती है।
- यह उन्नत इनक्यूबेशन सुविधाओं की संकल्पना और विकास में सक्रिय भूमिका निभाती है।
- प्रौद्योगिकी और उत्पादों का समर्थन करना जिससे समाज, उद्योग तथा देश को लाभ होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY):

- ❶ टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ एंटरप्रेन्योर्स (TIDE 2.0) योजना में MeitY के साथ NIDHI की साझेदारी तकनीक-संचालित स्टार्टअप को सशक्त बनाती है।
- ❷ साथ में वे प्रौद्योगिकी-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

- ❖ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (Department of Science and Technology- DST) की स्थापना 3 मई, 1971 को नेशनल साइंस फाउंडेशन (NSF), USA के मॉडल पर की गई थी।
- ❖ यह यह वित्तपोषण तथा नीतिगत सहयोग प्रदान करता है तथा अन्य देशों के साथ वैज्ञानिक कार्यों का समन्वय करता है।
- ❖ यह वैज्ञानिकों और वैज्ञानिक संस्थानों को सशक्त बनाता है तथा स्कूल कॉलेज, पी.एच.डी., पोस्टडॉक छात्रों, युवा वैज्ञानिकों, स्टार्टअप एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों से जुड़े हितधारकों के साथ एक उच्च वितरित प्रणाली के तहत भी काम करता है।

छत्तीसगढ़ में बाघों की आबादी हुई दोगुनी

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ में **बाघों की आबादी** में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2022 में 17 से बढ़कर अप्रैल 2025 तक 35 हो गई, जो राज्य के सफल वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को दर्शाती है।

- ❖ इस वृद्धि को छत्तीसगढ़ **राज्य वन्यजीव कल्याण बोर्ड** की 15वीं बैठक में रेखांकित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साई ने की।

मुख्य बिंदु

- ❖ **अचानकमार टाइगर रिजर्व** में बाघों की सबसे अधिक आबादी (18) है, इसके बाद **गुरु घासीदास-तमोर पिंगला (GGTP) टाइगर रिजर्व** में 7, **इंद्रावती टाइगर रिजर्व** में 6, **भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य** में 3 और **उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व** में 1 बाघ है।
- ❶ GGTP को वर्ष 2024 में भारत का 56वाँ बाघ अभयारण्य घोषित किया गया है, जो अब आंध्र प्रदेश के **नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिजर्व** और असम के **मानस टाइगर रिजर्व** के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है।
- ❖ **स्थानांतरण योजना:**
 - ❶ छत्तीसगढ़ को **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)** से मध्य प्रदेश से बाघों को **उदंती-सीतानदी** और **गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व** में स्थानांतरित करने की अनुमति मिल गई है।
 - ❷ उदंती-सीतानदी के लिये दो मादा और एक नर बाघ तथा गुरु घासीदास के लिये तीन नर बाघों सहित कुल पाँच बाघों को स्थानांतरित किया जाएगा।
- ❖ **बाघ संरक्षण योजना (TCP):**
 - ❶ राज्य ने एक व्यापक बाघ संरक्षण योजना (TCP) को लगभग अंतिम रूप दे दिया है, जिसका उद्देश्य आवास प्रबंधन से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना और टाइगर रिजर्व में पर्यटन को बढ़ावा देना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- यह योजना पर्यटकों की संख्या बढ़ाने और स्थानीय समुदायों के लिये आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिये **कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान** में सुविधाएँ बढ़ाने पर भी केंद्रित है।

रायपुर में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी और छत्तीसगढ़ के **मुख्यमंत्री** विष्णु देव साय की उपस्थिति में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में '**स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान (SNSPA)**' का शुभारंभ हुआ।

मुख्य बिंदु

अभियान के बारे में:

- स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान (SNSPA) **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW)** और **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MoWCD)** की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में **महिलाओं तथा बच्चों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी करना** है, विशेषकर पहुँच, गुणवत्तापूर्ण देखभाल एवं जागरूकता के क्षेत्र में सुधार लाना।
- जनभागीदारी अभियान के रूप में वर्णित यह पहल **समावेशी स्वास्थ्य सेवा वितरण** को बढ़ावा देने के लिये निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।
- अभियान का शुभारंभ **17 सितंबर, 2025** को **प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने अपने 75वें जन्मदिन पर किया, जो सशक्त समुदायों के उनके दृष्टिकोण के अनुरूप है।

उद्देश्य:

- व्यापक जाँच और सेवाओं के माध्यम से **महिलाओं के स्वास्थ्य** को बेहतर बनाना
- **मातृ एवं शिशु देखभाल** के माध्यम से परिवार कल्याण को बढ़ावा देना
- शिक्षा के माध्यम से व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना
- सामुदायिक भागीदारी और सार्वजनिक जागरूकता को प्रोत्साहित करना

क्रियान्वयन रणनीति:

- **राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य शिविर**: जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं पर एक लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जाएंगे, जिनकी वास्तविक समय ट्रैकिंग के लिये **सशक्त पोर्टल** के माध्यम से निगरानी की जाएगी।
- **स्वास्थ्य कार्यकर्ता जवाबदेही**: एक स्व-सत्यापन प्रणाली स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिये **स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (MO, CHO, MPW, आशा)** को शामिल करेगी।
- **बहु-मंच प्रचार**: सार्वजनिक जागरूकता और भागीदारी को अधिकतम करने के लिये दूरदर्शन, **ऑल इंडिया रेडियो (AIR)** तथा **सोशल मीडिया** अभियानों का उपयोग किया जाएगा।
- **स्वयंसेवक और निक्षय मित्र सहभागिता**: क्षय रोग उन्मूलन तथा सामुदायिक स्वास्थ्य पहलों का समर्थन करने के लिये निक्षय मित्रों तथा स्वयंसेवकों को शामिल किया जाएगा।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



बाल विवाह उन्मूलन

चर्चा में क्यों ?

17 सितंबर, 2025 को छत्तीसगढ़ के सूरजपुर ज़िला ने अपने 75 ग्राम पंचायतों को “बाल विवाह-मुक्त पंचायत” घोषित कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

यह मान्यता सामाजिक सुधार प्रयासों और “स्वस्थ महिलाएँ, सशक्त परिवार” पहल के तहत जन जागरूकता अभियानों की एक महत्वपूर्ण जीत को दर्शाती है।

मुख्य बिंदु

बाल विवाह उन्मूलन के बारे में:

- 75 बाल विवाह मुक्त पंचायतों की घोषणा राष्ट्रीय पोषण माह और चल रहे “स्वस्थ महिलाएँ, सशक्त परिवार” अभियान के शुभारंभ के साथ हुई।
 - इन पंचायतों को पिछले दो वर्षों में बाल विवाह की कोई घटना दर्ज न होने के कारण मान्यता दी गई।
- 10 मार्च 2024 को, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यूनिसेफ के सहयोग से “बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान” का शुभारंभ किया।
 - इस पहल का उद्देश्य सक्रिय जागरूकता, निगरानी और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से पूरे राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाना है।

कार्यान्वयन:

- महिला एवं बाल विकास विभाग ने क्षेत्र में नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाया।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वैच्छिक संगठनों ने बाल विवाह के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- शैक्षिक संवादों में बाल अधिकारों, शिक्षा के महत्व तथा लड़कियों के लिये बेहतर स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक परिणाम सुनिश्चित करने के लिये सही समय पर विवाह की आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिससे मानसिकता में बदलाव आया और माता-पिता ने अपनी बेटियों की कम उम्र में शादी करने की बजाए उनकी शिक्षा तथा आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया।

बाल विवाह

- यूनिसेफ बाल विवाह को लड़कियों और लड़कों दोनों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव के कारण मानवाधिकार उल्लंघन के रूप में वर्गीकृत करता है।
 - सतत् विकास लक्ष्य 5.3 में कहा गया है कि वर्ष 2030 तक लैंगिक समानता और महिलाओं एवं लड़कियों के सशक्तीकरण के लक्ष्य के साथ सतत् विकास लक्ष्य 5 को प्राप्त करने में बाल विवाह उन्मूलन महत्वपूर्ण है।
 - संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, वर्ष 2022 में दुनिया भर में 5 में से 1 लड़की (19%) की शादी बचपन में ही कर दी गई।
- वैधानिक ढाँचा: भारत ने वर्ष 2006 में बाल विवाह निषेध अधिनियम लागू किया, जिसमें पुरुषों के लिये विवाह की कानूनी उम्र 21 वर्ष और महिलाओं के लिये 18 वर्ष निर्धारित की गई।
 - बाल विवाह निषेध अधिनियम की धारा 16 राज्य सरकारों को विशिष्ट क्षेत्रों के लिये ‘बाल विवाह निषेध अधिकारी (CMPO)’ नियुक्त करने की अनुमति देती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- CMPO बाल विवाह को रोकने, अभियोजन के लिये साक्ष्य एकत्र करने, ऐसे विवाहों को बढ़ावा देने या सहायता के खिलाफ परामर्श देने, उनके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और समुदायों को संवेदनशील बनाने के लिये जिम्मेदार है।

सरकार ने महिलाओं की शादी की उम्र को पुरुषों के बराबर करने के लिये इसे 21 साल करने के लिये 'बाल विवाह निषेध (संशोधन) विधेयक, 2021' नाम से एक विधेयक पेश किया है।

विकास शील छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

वरिष्ठ IAS अधिकारी विकास शील को छत्तीसगढ़ का 13वाँ मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वह अमिताभ जैन का स्थान लेंगे, जो 30 सितंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे।

उन्होंने रायपुर और बिलासपुर जिलों के कलेक्टर, विभिन्न राज्य विभागों में सचिव सहित प्रमुख पदों पर कार्य किया है तथा वर्तमान में एशियाई विकास बैंक (ADB) में कार्यकारी निदेशक के सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं।

मुख्य बिंदु

मुख्य सचिव के बारे में:

कार्यालय:

- भारत में मुख्य सचिव का कार्यालय वर्ष 1799 में ब्रिटिश शासन के दौरान लॉर्ड वेलेज़ली के अधीन अस्तित्व में आया और तब से यह राज्य प्रशासन का अभिन्न अंग है।
- मुख्य सचिव, राज्य में कार्यरत सर्वोच्च रैंक का प्रशासनिक अधिकारी होता है, जो राज्य सचिवालय का नेतृत्व करता है तथा राज्य सरकार के विभिन्न कार्यों के समन्वय की जिम्मेदारी निभाता है।

नियुक्ति और स्थिति:

- मुख्य सचिव की नियुक्ति मुख्यमंत्री (राज्यपाल के नाम पर) द्वारा वरिष्ठ IAS अधिकारियों में से वरिष्ठता, योग्यता और विश्वास जैसे कारकों के आधार पर की जाती है।
- वर्ष 1973 में इस कार्यालय को भारत सरकार के सचिव के पद के समतुल्य मानकीकृत किया गया।

शक्तियाँ और कार्य:

- राज्य प्रशासन के मामलों पर प्रमुख सलाहकार के रूप में कार्य करता है और नीतिगत मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- कैबिनेट बैठक का एजेंडा तैयार करता है, कार्यवाही रिकॉर्ड करता है और निर्णयों के कार्यान्वयन की देखरेख करता है।
- राज्य सिविल सेवा में नियुक्तियों, स्थानांतरणों और पदोन्नति की देखरेख करता है तथा सिविल सेवकों का मनोबल बनाए रखता है।
- अंतर-विभागीय समन्वय सुनिश्चित करता है, समन्वय समितियों की अध्यक्षता करता है और विभागों के बीच विवादों का समाधान करता है।
- सामान्य प्रशासन, कार्मिक और योजना जैसे प्रमुख विभागों का सीधे प्रबंधन करता है।
- बाढ़, सूखा और सांप्रदायिक अशांति जैसे संकट के दौरान राहत कार्यों का नेतृत्व करता है तथा आपात स्थितियों के दौरान राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करता है।



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार ने **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** के पूर्व गवर्नर **उर्जित पटेल** को **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** में कार्यकारी निदेशक (ED) के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।

- वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो **बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान के साथ चार देशों** के निर्वाचन क्षेत्र का अंग है।
- IMF के कार्यकारी बोर्ड में 25 निदेशक होते हैं, जिनका चुनाव सदस्य देशों या देशों के समूहों द्वारा किया जाता है।

मुख्य बिंदु

- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति** ने कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिये अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है।
- वह पूर्व **मुख्य आर्थिक सलाहकार के. वी. सुब्रमण्यन** का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल अनियमितता के आरोपों के कारण छह महीने कम कर दिया गया था।
- भूमिका:** IMF में कार्यकारी निदेशक के रूप में, वह निम्नलिखित कार्य करेंगे:
 - कार्यकारी बोर्ड का हिस्सा बनना, जो **वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक नीतियों, राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों** तथा कोष की क्षमता-विकास पहलों पर विचार-विमर्श करता है तथा उन पर प्रभाव डालता है।
 - अस्थायी भुगतान-संतुलन** समस्याओं के समाधान हेतु सदस्य देशों की वित्तीय सहायता पैकेजों की स्वीकृति में सहयोग प्रदान करना।
 - सदस्य देशों के आर्थिक सुधारों और नीतिगत पहलों को दिये जाने वाले IMF के सहयोग की निगरानी में केंद्रीय भूमिका निभाना।

उर्जित पटेल:

परिचय

- उर्जित पटेल वर्ष 2016 से 2018 तक **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** के 24वें गवर्नर रहे। उन्होंने रघुराम राजन के उत्तराधिकारी के रूप में यह दायित्व संभाला। इससे पूर्व वे उप-गवर्नर के पद पर कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने **मौद्रिक नीति**, आर्थिक अनुसंधान और जमा बीमा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की देखरेख की थी।
- RBI से त्याग-पत्र देने के बाद उर्जित पटेल ने बीजिंग स्थित **एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB)** में निवेश परिचालन के **उपाध्यक्ष** के रूप में कार्य किया। पारिवारिक स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने जनवरी 2024 में इस पद से त्यागपत्र दे दिया।
- जून 2020 से वे **राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (NIPFP)** के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

RBI में सुधार:

- उनके नेतृत्व में RBI ने मौद्रिक नीति में महत्वपूर्ण सुधार पेश किये, जिनमें ब्याज दरों पर निर्णय लेने के लिये अक्टूबर 2016 में गठित **मौद्रिक नीति समिति (MPC)** भी शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण: RBI ने जनवरी 2014 में अनुशंसित परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण ढाँचे को अपनाया, जिसमें पटेल ने डिप्टी गवर्नर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डायमंड लीग 2025

चर्चा में क्यों ?

नीरज चोपड़ा स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित **डायमंड लीग फाइनल** में उपविजेता रहे। जर्मनी के **जूलियन वेबर** ने 91.57 मीटर का श्रो फेंककर अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

मुख्य बिंदु:

- नीरज चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ श्रो फाइनल राउंड में 85.01 मीटर रहा, जिससे वह **केशोर्न वालकॉट** (84.95 मीटर) को पीछे छोड़कर तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुँच गए।
- यूरोपीय चैंपियन **जूलियन वेबर** ने दो बार 90 मीटर से अधिक का श्रो करते हुए प्रतियोगिता पर प्रभुत्व स्थापित किया और विश्व चैंपियनशिप के लिये शीर्ष दावेदार के रूप में अपनी स्थिति सुदृढ़ की।

वांडा डायमंड लीग

- शृंखला का अवलोकन:** वर्ष 2010 में आरम्भ की गई वांडा डायमंड लीग एक **विशिष्ट वैश्विक एथलेटिक्स प्रतियोगिता** है, जिसमें चार महाद्वीपों और 13 देशों में आयोजित 15 प्रतिष्ठित स्पर्द्धाएँ शामिल हैं। यह एथलीटों को प्रमुख **चैंपियनशिप** के अतिरिक्त खेल की **सर्वोच्च उपाधि** के लिये प्रतिस्पर्द्धा करने का अवसर प्रदान करती है।
- एथलीट अप्रैल से सितंबर तक आयोजित 14 शृंखला प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और अपने प्रदर्शन के आधार पर अंक अर्जित करते हैं। प्रत्येक प्रतियोगिता के शीर्ष एथलीट, वाइल्डकार्ड प्रविष्टियों के साथ, दो दिवसीय वांडा डायमंड लीग फाइनल के लिये क्वालीफाई करते हैं।
- वांडा डायमंड लीग फाइनल:** ज्यूरिख में आयोजित यह दो दिवसीय आयोजन **विजेता-सब-कुछ ले जाए** प्रारूप पर आधारित है। प्रत्येक स्पर्द्धा के विजेताओं को डायमंड ट्रॉफी तथा (निर्धारित शर्तों के अनुसार) वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वाइल्डकार्ड प्रविष्टि प्रदान की जाती है।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत के ग्रामीण और शैक्षिक रूप से वंचित क्षेत्रों में **बालिकाओं की शिक्षा** हेतु सामुदायिक तथा सरकारी संसाधन जुटाने के लिये समर्पित भारतीय **गैर-लाभकारी संगठन 'फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली'** को वर्ष 2025 का **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** प्रदान किया गया है।

- अन्य पुरस्कार विजेताओं में **मालदीव की शाहिना अली** को उनके पर्यावरण संबंधी कार्य के लिये तथा **फिलीपींस के फ्लावियानो एंटोनियो एल. विलानुएवा** को गरीबों और हाशिये पर पड़े लोगों के उत्थान के प्रयासों के लिये सम्मानित किया गया है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

एजुकेट गर्ल्स के बारे में:

- इसे फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली के नाम से भी जाना जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 2007 में **सफीना हुसैन** द्वारा की गई थी।
- यह एशिया में **नोबेल पुरस्कार के समकक्ष** इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संगठन है।

उद्देश्य:

- इस संगठन की **शुरुआत राजस्थान** से हुई, जिसका उद्देश्य स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को कक्षाओं में नामांकन कर **महिला निरक्षरता** को दूर करना तथा उच्च शिक्षा और रोजगार तक उनकी सहायता करना है।

मिशन:

- फाउंडेशन का मुख्य मिशन **“वन गर्ल एट अ टाइम”** है, जो ज़मीनी स्तर के प्रयासों, सामुदायिक प्रोत्साहन तथा साझेदारी पर आधारित है।
- इसका उद्देश्य गरीबी, घरेलू कार्य जैसे अवरोधों को दूर कर समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

पहल:

- वर्ष 2015 में एजुकेट गर्ल्स ने शिक्षा क्षेत्र में विश्व का पहला **विकास प्रभाव बॉण्ड (DIB)** शुरू किया, जिसमें वित्तीय सहायता को मापने योग्य परिणामों से जोड़ा गया। इस पहल से 30,000 गाँवों की 20 लाख से अधिक बालिकाएँ लाभान्वित हुईं।
- संगठन ने 15-29 वर्ष की युवा महिलाओं के लिये एक ओपन स्कूलिंग कार्यक्रम **‘प्रगति’** की भी शुरुआत की, जिसमें प्रतिभागियों की संख्या 300 से बढ़कर 31,500 हो गई। इस पहल ने उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

- वर्ष 1958 में स्थापित **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** उन व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है जिन्होंने जटिल सामाजिक मुद्दों को संबोधित करते हुए एशिया तथा विश्व स्तर पर मानव विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

- पुरस्कार विजेताओं का चयन प्रतिवर्ष **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फाउंडेशन (RMAF)** द्वारा किया जाता है और उन्हें पदक, प्रमाण-पत्र तथा नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

- 67वाँ **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार समारोह** 7 नवंबर, 2025 को मनीला के **मेट्रोपॉलिटन थिएटर** में आयोजित किया जाएगा।

उद्देश्य:

- यह पुरस्कार जाति, लिंग या धर्म से परे निःस्वार्थ सेवा और भावना की महानता को मान्यता देने के लिये बनाया गया था तथा एशिया में परिवर्तनकारी नेतृत्व तथा साहस का उत्सव मनाता है।

श्रेणियाँ:

- वर्ष 1958 से 2008 तक यह पुरस्कार छह श्रेणियों में प्रदान किया गया:

- सरकारी सेवा
- सार्वजनिक सेवा**
- सामुदायिक नेतृत्व
- पत्रकारिता, साहित्य और रचनात्मक संचार कला
- शांति और अंतर्राष्ट्रीय समझ
- उभरता नेतृत्व (40 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिये)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- वर्ष 2009 के बाद से यह पुरस्कार किसी निश्चित श्रेणी में नहीं दिया जाता, केवल इमर्जेंट लीडरशिप को छोड़कर, जो फोर्ड फाउंडेशन के सहयोग से जारी है।

युद्ध अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना का एक दल अमेरिका के अलास्का स्थित फोर्ट वेनराइट के लिये प्रस्थान कर चुका है, जहाँ 1 से 14 सितंबर, 2025 तक भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास' का 21वाँ संस्करण आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

भाग लेने वाली सेनाएँ:

- भारतीय दल में मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के कार्मिक शामिल हैं, जो भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंटों में से एक है।
- अमेरिकी सेना का प्रतिनिधित्व 11वीं एयरबोर्न डिवीजन के अंतर्गत आर्कटिक वोल्क्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम की पहली बटालियन, 5वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट "बॉबकैट्स" के सैनिकों द्वारा किया जाएगा।

गतिविधियाँ:

- अभ्यास के दौरान दोनों देशों की सेनाएँ विविध सामरिक कौशलों का अभ्यास करेंगी, जिनमें हेलिबोर्न ऑपरेशन, निगरानी संसाधनों एवं मानव रहित हवाई प्रणालियों का प्रयोग, रॉकफ्राफ्ट, पर्वतीय युद्धकला, हताहतों की निकासी, युद्धक्षेत्र चिकित्सा सहायता तथा तोपखाने, वायुसेना एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का समन्वित उपयोग शामिल है।

अभ्यास का समापन:

- यह अभ्यास संयुक्त रूप से नियोजित एवं क्रियान्वित सामरिक अभियानों के साथ संपन्न होगा, जिनमें लाइव-फायर ड्रिल्स से लेकर उच्च पर्वतीय युद्ध परिदृश्यों तक की अभिव्यक्ति होगी।

उद्देश्य:

- 'युद्ध अभ्यास 2025' का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों के लिये परिचालन तत्परता को सुदृढ़ करना है, जिससे शांति अभियानों के प्रभावी प्रबंधन हेतु क्षमता-निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।
- इसके अतिरिक्त, यह अभ्यास बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने हेतु सेनाओं को तैयार करेगा तथा एकीकृत युद्ध और संयुक्त परिचालन रणनीतियों के महत्व पर जोर देगा।

आदि वाणी

चर्चा में क्यों?

जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV) समारोह के हिस्से के रूप में जनजातीय भाषाओं के लिये भारत के पहले AI-संचालित अनुवाद मंच 'आदि वाणी' का बीटा संस्करण लॉन्च किया है।

मुख्य बिंदु

आदि वाणी के बारे में

- आदि वाणी को IIT दिल्ली के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय संघ द्वारा विकसित किया गया है, जिसमें BITS पिलानी, IIIT हैदराबाद, IIIT नवा रायपुर तथा झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मेघालय के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों का सहयोग शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- बीटा संस्करण वर्तमान में **संथाली, भोजपुरी, मुंडारी और गोंडी** भाषाओं का समर्थन करता है, जबकि **कुई और गारो** जैसी भाषाओं पर विकास कार्य प्रगति पर है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- हिंदी, अंग्रेजी और **जनजातीय भाषाओं** के बीच वास्तविक समय में पाठ एवं वाक् अनुवाद की सुविधा।
- छात्रों और नव-शिक्षार्थियों के लिये **इंटरैक्टिव भाषा शिक्षण मॉड्यूल**।
- लोककथाओं एवं मौखिक परंपराओं का **डिजिटलीकरण** कर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण।
- जनजातीय भाषाओं में सरकारी परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी संदेश, उपशीर्षकों सहित उपलब्ध कराना।

जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV)

- यह वर्ष भगवान **बिरसा मुंडा** (धरती आबा) की 150वीं जयंती का स्मरण करता है तथा जनजातीय नायकों की अद्वितीय विरासत को सम्मानित करता है।
- इसे **15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025** तक जनजातीय गौरव दिवस (2021 में घोषित) के एक साल के विस्तार के रूप में मनाया जा रहा है।
- यह पहल **धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान** तथा **प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (PM JAN-MAN)** जैसे प्रमुख कार्यक्रमों से जुड़ी हुई है।

उद्देश्य:

- भारत की सांस्कृतिक अस्मिता और **स्वतंत्रता संग्राम** में जनजातीय समुदायों के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान को रेखांकित करना।
- संपूर्ण शासन दृष्टिकोण** के माध्यम से जनजातीय कल्याण को प्रोत्साहित करना।
- जनजातीय विकास संबंधी पहलों में** जनभागीदारी (लोगों की सक्रिय सहभागिता) को बढ़ावा देना।
- जनजातीय नायकों के प्रति जागरूकता और **राष्ट्र-निर्माण** में उनकी भूमिका की पहचान को सुदृढ़ करना।

NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने **NCERT** के 65वें स्थापना दिवस पर अनेक पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने संस्थान से शिक्षा के प्रति सुधारोन्मुख एवं प्रौद्योगिकी-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

मुख्य बिंदु

शुभारंभ की गई प्रमुख पहलें:

पीएम ई-विद्या मोबाइल एप्लिकेशन:

- यह **पीएम ई-विद्या** के अंतर्गत सभी प्रमुख डिजिटल एवं प्रसारण पहलों तक पहुँच हेतु एक केंद्रीकृत पोर्टल है, जिसे BISAG-N के सहयोग से विकसित किया गया है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ दीक्षा 2.0 :

- इसमें संरचित पाठ, अनुकूली मूल्यांकन, प्रदर्शन फीडबैक, चर्चा मंच और एआई उपकरण जैसे रीड अलाउड, क्लोज्ड कैप्शन तथा 12 भाषाओं में पाठ फाइलों का अनुवाद शामिल है।

❖ प्रशस्त 2.0:

- यह एक पूर्व-मूल्यांकन समग्र स्क्रीनिंग टूल है जो दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान के लिये मोबाइल और वेब प्लेटफॉर्म को उन्नत करता है।

❖ किताब एक पढ़े अनेक :

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप यह पहल यूनिवर्सल डिज़ाइन ऑफ़ लर्निंग (UDL) आधारित सुलभ डिजिटल एवं मुद्रित पाठ्यपुस्तकों के निर्माण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य समावेशी कक्षाओं की स्थापना करना है, जिससे विशेषकर दिव्यांगजन छात्रों एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के बच्चों को लाभ मिल सके।

❖ उत्कल जननींकर सुजोग्य संतान :

- यह पुस्तक ओडिशा के 100 महान व्यक्तित्वों के जीवन और योगदान पर आधारित है, जिन्होंने आधुनिक ओडिशा के विकास में योगदान दिया तथा राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया।

NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद)

- ❖ **स्थापना:** 1 सितंबर 1961
- ❖ **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- ❖ **उद्देश्य:** भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन के रूप में , यह विद्यालयी शिक्षा से संबंधित शैक्षणिक मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता तथा सलाह देता है।
- ❖ **कार्य:** पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण-अधिगम सामग्री और नवीन शैक्षणिक उपकरण विकसित करना, साथ ही अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी संचालित करना।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों ?

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) ने 1 सितंबर 2025 को अपना 8वाँ स्थापना दिवस मनाया और समावेशी तथा सुलभ बैंकिंग सेवाएँ अंतिम छोर तक पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुख्य बिंदु

❖ IPPB के बारे में:

- इसकी स्थापना वर्ष 2018 में डाक विभाग के अधीन एक सरकारी पहल के रूप में की गई थी।
- इसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करना और डिजिटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ाना है।

❖ क्षेत्र

- IPPB के पास 1.64 लाख से अधिक डाकघर तथा 1.90 लाख डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक (GDS) कार्यरत हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025UPSC
क्लासरूम
कोर्सIAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्सदृष्टि लर्निंग
ऐप

- यह 12 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करता है, अरबों **डिजिटल लेन-देन** संपन्न करता है तथा ग्रामीण, अर्द्ध-शहरी और दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर बैंकिंग उपलब्ध कराता है।

उद्देश्य

- प्रत्येक भारतीय को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह प्रशस्त करना।
- अंतिम छोर तक बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाना ताकि ग्रामीण एवं वंचित आबादी भी वित्तीय रूप से समावेशित हो सके।

सेवाएँ:

- IPPB ने अपनी सेवाओं का विस्तार **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT)** वितरण, पेंशन भुगतान, ऋण सुविधा, **बीमा और निवेश** उत्पादों तक किया है, जो विभिन्न संस्थानों के सहयोग से उपलब्ध कराए जाते हैं।
- नई सेवाओं में डिजी स्मार्ट डिजिटल सेविंग्स अकाउंट, प्रीमियम आरोग्य सेविंग्स अकाउंट, **आधार-आधारित चेहरा प्रमाणीकरण**, रूपे वर्चुअल डेबिट कार्ड, AePS सक्षम भुगतान, अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण और भारत बिल-पे एकीकरण शामिल हैं, जिन्होंने ग्राहकों की सुविधा को तथा बढ़ाया है।

पेमेंट्स बैंक

परिचय:

- पेमेंट्स बैंक एक विभेदित बैंक (Differentiated Bank) है, जो सीमित बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है।
- डॉ. नचिकेत मोर समिति** ने निम्न-आय वर्गों और छोटे व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पेमेंट्स बैंक की स्थापना की सिफारिश की थी।

विशेषताएँ:

- यह केवल **बचत और चालू खातों में मांग जमा** स्वीकार कर सकता है, **सावधि जमा नहीं**।
- प्रत्येक ग्राहक पेमेंट्स बैंक खाते में अधिकतम 2,00,000 रुपये की शेष राशि रख सकता है।
- पेमेंट्स बैंक **अनिवासी भारतीय (Non-Resident Indian-NRI)** जमा स्वीकार नहीं कर सकते।
- पेमेंट्स बैंक **गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवा गतिविधियाँ शुरू करने के लिये सहायक कंपनियाँ** स्थापित नहीं कर सकते हैं।

भारती पहल

चर्चा में क्यों ?

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने **भारती (BHARATI)** पहल शुरू की है, जो **कृषि-तकनीक और कृषि-खाद्य स्टार्टअप** को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

उद्देश्य और दृष्टिकोण:

- भारती (BHARATI)**, जो भारत के **कृषि प्रौद्योगिकी**, लचीलापन, उन्नति और निर्यात सक्षमता के लिये **इनक्यूबेशन केंद्र** का संक्षिप्त रूप है, का उद्देश्य **कृषि-खाद्य तथा कृषि-तकनीक** क्षेत्रों के 100 स्टार्टअप को सशक्त बनाना है।
- इस पहल का उद्देश्य **नवाचार में तेज़ी लाना** और नए निर्यात अवसर सृजित करना है, जिससे **वर्ष 2030 तक अनुसूचित उत्पादों के लिये कृषि-खाद्य निर्यात को 50 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने के भारत के लक्ष्य का समर्थन** मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ प्रथम पायलट समूह:

- पहला समूह, जो सितंबर 2025 में शुरू होगा, 100 स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनमें उच्च मूल्य वाले कृषि-खाद्य उत्पादकों से लेकर प्रौद्योगिकी-संचालित सेवा प्रदाता और नवप्रवर्तक शामिल होंगे।
- एआई-आधारित गुणवत्ता नियंत्रण, ब्लॉकचेन ट्रेसबिलिटी, **IoT-सक्षम कोल्ड चेन** और एग्री-फिनटेक जैसी उन्नत तकनीकों पर काम करने वाले स्टार्टअप्स शामिल किये जाएंगे।

❖ नवाचार के लिये प्रमुख क्षेत्र:

- भारती पहल उच्च मूल्य वाले कृषि-खाद्य श्रेणियों जैसे **GI-टैग उत्पाद, जैविक खाद्य पदार्थ, सुपरफूड, नवीन प्रसंस्कृत कृषि-खाद्य पदार्थ, पशुधन उत्पाद और आयुष उत्पादों** को लक्षित करेगी।
- यह पहल पैकेजिंग, स्थिरता और समुद्री खाद्य प्रोटोकॉल को संबोधित करने वाले अभिनव समाधानों को भी प्रोत्साहित करेगी।

❖ निर्यात संबंधी चुनौतियों का समाधान:

- यह पहल उत्पाद विकास, गुणवत्ता आश्वासन, **शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों**, अपव्यय और रसद से संबंधित प्रमुख निर्यात चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करेगी।
- सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर यह वैश्विक कृषि-खाद्य बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिये लागत प्रभावी समाधान प्रदान करेगी।

❖ सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और साझेदारी:

- यह पहल राज्य कृषि बोर्डों, कृषि विश्वविद्यालयों, IIT और NIT जैसे प्रमुख संस्थानों तथा उद्योग निकायों के साथ मिलकर **स्टार्टअप्स** को आकर्षित करने एवं समर्थन देने के लिये काम करेगी।
- पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिये मौजूदा त्वरणक (Existing accelerators) का भी लाभ उठाया जाएगा।

❖ स्टार्टअप्स को समर्थन:

- एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान हितधारकों को शामिल करेगा और समाधान-उन्मुख स्टार्टअप्स को आकर्षित करेगा।
- स्टार्टअप्स को तीन महीने के त्वरण कार्यक्रम से गुजरना होगा, जिसमें उत्पाद विकास, निर्यात तत्परता, विनियामक अनुपालन और बाजार पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

❖ सरकारी पहलों के साथ संरेखण:

- यह पहल भारत सरकार की **आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, डिजिटल इंडिया** और **स्टार्ट-अप इंडिया** पहलों के साथ संरेखित है।

APEDA की स्थापना **APEDA अधिनियम, 1985** के तहत की गई थी और इसे अल्कोहलिक तथा गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थ, मांस एवं मांस उत्पाद, पुष्पकृषि उत्पाद आदि जैसे उत्पादों के निर्यात संवर्द्धन व विकास की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वैश्विक शांति सूचकांक (GPI)

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में जारी **वैश्विक शांति सूचकांक 2025** में भारत को 115वाँ स्थान मिला है, जबकि आइसलैंड सबसे शांतिपूर्ण देश के रूप में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट
अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

वैश्विक शांति सूचकांक के बारे में:

- इसे प्रतिवर्ष इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस द्वारा जारी किया जाता है। इसमें 23 संकेतकों के आधार पर देशों को रैंक प्रदान की जाती है, जिनमें सैन्यीकरण, बाह्य संघर्ष, हत्या और आतंकवाद जैसे संकेतक शामिल हैं।
- वैश्विक शांति सूचकांक 2025 में 163 देशों का विश्लेषण किया गया, जो विश्व की 99.7% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- इस सूचकांक के अनुसार, राज्य-आधारित संघर्षों की संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है तथा वर्ष 2025 में नए संघर्ष भी उभरे हैं

रैंकिंग 2025:

- आइसलैंड, आयरलैंड तथा न्यूजीलैंड को विश्व के सर्वाधिक शांतिपूर्ण देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। आइसलैंड वर्ष 2008 से शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।
- रूस, यूक्रेन, सूडान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य तथा यमन को सबसे कम शांतिपूर्ण देशों में शामिल किया गया है।
- शीर्ष 10 में सिंगापुर एकमात्र एशियाई देश है, जो अत्यधिक सैन्य व्यय के बावजूद उच्च सुरक्षा स्तर बनाए हुए है।
- भारत को 115वाँ स्थान प्राप्त हुआ है (वर्ष 2024 में 116वाँ), जबकि पाकिस्तान 144वें स्थान पर है, जो दोनों देशों के बीच सुरक्षा स्तर में महत्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है।

विश्व के 10 सर्वाधिक शांतिपूर्ण देश

रैंक	देश	रैंक	देश
1	आइसलैंड	2	आयरलैंड
3	न्यूजीलैंड	4	ऑस्ट्रिया
5	स्विट्जरलैंड	6	सिंगापुर
7	पुर्तगाल	8	डेनमार्क
9	स्लोवेनिया	10	फिनलैंड

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय

चर्चा में क्यों ?

भारत में आधुनिक रसायन विज्ञान के अग्रदूत आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की 164वीं जयंती पर विभिन्न स्मारक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स

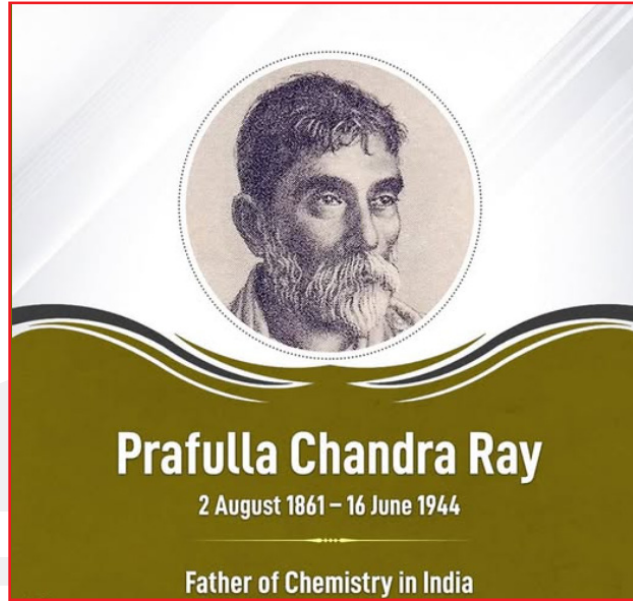


दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

♦ आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के बारे में:



- प्रफुल्ल चंद्र राय (1861-1944) एक प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक और शिक्षक थे तथा “आधुनिक” भारतीय रासायनिक शोधकर्ताओं में से एक थे। इन्हें “भारतीय रसायन विज्ञान के जनक” के रूप में जाना जाता है।
- मूल रूप से एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में प्रशिक्षित, उन्होंने कई वर्षों तक कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और फिर कलकत्ता विश्वविद्यालय में काम किया।

♦ कार्य:

- उन्होंने वर्ष 1895 में स्थिर यौगिक **मर्क्यूरस नाइट्राइट** (Mercurous Nitrite) की खोज की।
- एक कट्टर राष्ट्रवादी राय बंगाली उद्यम को आगे बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध थे और उन्होंने वर्ष 1901 में **बंगाल केमिकल एंड फार्मास्युटिकल वर्क्स** की स्थापना की।
- राय वर्ष **1905 के स्वदेशी आंदोलन** के सक्रिय समर्थक थे और वे विदेशी वस्तुओं के प्रयोग को भारत के विरुद्ध राजद्रोह मानते थे।
- वह एक सच्चे तर्कवादी थे और पूरी तरह से जाति व्यवस्था व अन्य तर्कहीन सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ थे। उन्होंने अपनी मृत्यु तक समाज सुधार के इस कार्य को जारी रखा।

♦ पुरस्कार एवं सम्मान:

- ब्रिटिश सरकार द्वारा सम्मानित, उन्हें **भारतीय साम्राज्य का साथी** (Companion of the Indian Empire- CIE) की तथा उसके बाद वर्ष 1919 में नाइटहुड की उपाधि दी गई।
- वर्ष 1920 में उन्हें **भारतीय विज्ञान कांग्रेस** का अध्यक्ष चुना गया।
- 2 अगस्त, 1961 को उनकी जयंती मनाने के लिये **भारतीय डाक** द्वारा उन पर एक डाक टिकट जारी किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



यूएस ओपन 2025

चर्चा में क्यों ?

18 अगस्त से 7 सितंबर, 2025 तक न्यूयॉर्क के USTA बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर में आयोजित यूएस ओपन 2025, एकल और युगल श्रेणियों में महत्वपूर्ण जीत के साथ संपन्न हुआ।

इस टूर्नामेंट में प्रत्येक एकल विजेता के लिये 5 मिलियन डॉलर की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि रखी गई थी, जो पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में समान थी।

मुख्य बिंदु



- ❖ पुरुष एकल विजेता: कार्लोस अल्काराज़ (स्पेन) ने जैनिन सिनर (इटली) को हराकर अपना दूसरा अमेरिकी ओपन और कुल मिलाकर छठा ग्रैंड स्लैम खिताब अर्जित किया।
- ❖ महिला एकल विजेता: आर्यना सबालेंका (बेलारूस) ने अमांडा अनिसिमोवा (अमेरिका) को हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और WTA रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति सुदृढ़ की।
- ❖ पुरुष युगल विजेता: मार्सेल ग्रैनोलर्स (स्पेन) और होरासियो जेबालोस (अर्जेंटीना) ने फाइनल में जो सैलिसबरी और नील स्कूप्सकी (यूनाइटेड किंगडम) को हराकर खिताब जीता।
- ❖ महिला युगल विजेता: गैब्रिएला डाब्रोव्स्की (कनाडा) और एरिन रूटलिफ़ (न्यूजीलैंड) ने कैटरीना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य) तथा टेलर टाउनसेंड (USA) को हराया।
- ❖ मिश्रित युगल विजेता: सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी (इटली) ने इगा स्वीटेक (पोलैंड) तथा कैम्पर रूड (नॉर्वे) को हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



ग्रैंड स्लैम

- इसका अर्थ है कि एक ही कैलेंडर वर्ष में सभी चार प्रमुख टेनिस चैंपियनशिप जीतना: ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन (विंबलडन) और अमेरिका।
- यह उपलब्धि अब तक 5 अलग-अलग खिलाड़ियों द्वारा 6 बार हासिल की गई है।
- डॉन बज टेनिस में **ग्रैंड स्लैम** हासिल करने वाले प्रथम खिलाड़ी थे, जिन्होंने वर्ष 1938 में सभी चार प्रमुख चैंपियनशिप जीती थीं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

8 सितंबर 2025 को, विश्व में **अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस** मनाया, जिसमें मानव प्रगति और परिवर्तन के सशक्त साधन के रूप में पढ़ने तथा लिखने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

- उत्पत्ति:**
 - अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की उत्पत्ति वर्ष 1965 में तेहरान (ईरान) में आयोजित ' शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन ' से मानी जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य निरक्षरता का उन्मूलन था।
 - इसी सम्मेलन से एक ऐसे दिवस की परिकल्पना की गई जो वैश्विक स्तर पर साक्षरता को बढ़ावा देने के लिये समर्पित हो।
 - यूनेस्को ने वर्ष 1966 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की घोषणा की तथा इसे पहली बार 8 सितंबर 1967 को मनाया गया। तब से यह प्रतिवर्ष मनाया जाता है, ताकि साक्षरता की परिवर्तनकारी क्षमता को वैश्विक स्तर पर रेखांकित किया जा सके।
- विषय 2025: "डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना।"**
- डिजिटल साक्षरता**
 - डिजिटल साक्षरता का आशय ऑनलाइन सामग्री तक पहुँचने, उसका मूल्यांकन करने, सृजन एवं संप्रेषण करने की क्षमता से है।
 - इसमें आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking) विकसित करना, विश्वसनीय सूचना की पहचान करना तथा जटिल डिजिटल वातावरण में सुरक्षित रूप से मार्गदर्शन करना शामिल है, जिससे यह आज एक आवश्यक कौशल बन गया है।
- साक्षरता**
 - राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS)** के अनुसार, साक्षरता का अर्थ किसी भी भाषा में साधारण संदेश को पढ़ने, लिखने और समझने की क्षमता से है।
 - "सार्वभौमिक" शब्द का तात्पर्य सामान्यतः पूर्ण या लगभग पूर्ण कवरेज से है, जो आमतौर पर 100% के निकट होता है।
 - यूनेस्को** साक्षरता को केवल पढ़ने, लिखने और गिनने की क्षमता तक सीमित नहीं मानता, बल्कि इसे एक निरंतर विकसित होने वाला कौशल मानता है, जिसमें पहचानना, समझना तथा संप्रेषण करना शामिल है।
 - आधुनिक संदर्भ में यह डिजिटल, मीडिया तथा रोजगार-विशेष कौशलों तक विस्तारित हो चुका है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025UPSC
क्लासरूम
कोर्सेसIAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्सदृष्टि लर्निंग
ऐप

♦ साक्षरता बढ़ाने हेतु सरकारी रणनीतियाँ:

- ④ [उल्लास \(\(समाज में सभी के लिये आजीवन शिक्षा को समझना\)](#)
- ④ [राष्ट्रीय शिक्षा नीति \(NEP\) 2020](#)
- ④ [नव भारत साक्षरता कार्यक्रम](#)
- ④ [प्रौद्योगिकी संबद्धित अधिगम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम \(NPTEL\)](#)
- ④ [सर्व शिक्षा अभियान प्रज्ञाता](#)
- ④ [राष्ट्रीय साक्षरता मिशन \(NLM\)](#)

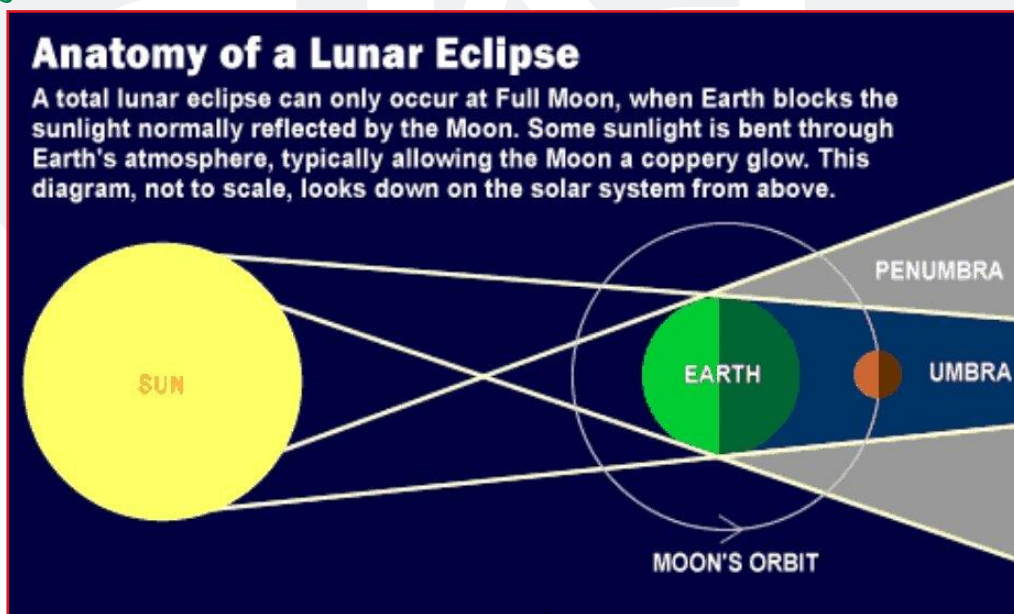
ब्लड मून

चर्चा में क्यों ?

8 सितंबर 2025 को एशिया, ऑस्ट्रेलिया तथा अफ्रीका के कुछ क्षेत्रों में **ब्लड मून** (पूर्ण चंद्र ग्रहण) देखा गया, जिसमें पृथ्वी की छाया ने चंद्रमा को गहरे लाल रंग में परिवर्तित कर दिया।

- ♦ यह मार्च 2025 के बाद वर्ष का दूसरा पूर्ण चंद्र ग्रहण था, जो 82 मिनट की पूर्णता के साथ पाँच घंटे से अधिक समय तक चला।
- ♦ **सूर्य ग्रहण** के विपरीत, चंद्र ग्रहण को नंगी आँखों से देखना सुरक्षित है।

मुख्य बिंदु



- ♦ **चंद्र ग्रहण:** चंद्र ग्रहण तब घटित होता है जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीधी रेखा में आ जाते हैं तथा पृथ्वी बीच में स्थित होती है। इससे सूर्य का प्रकाश सीधे चंद्रमा तक नहीं पहुँच पाता।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सस



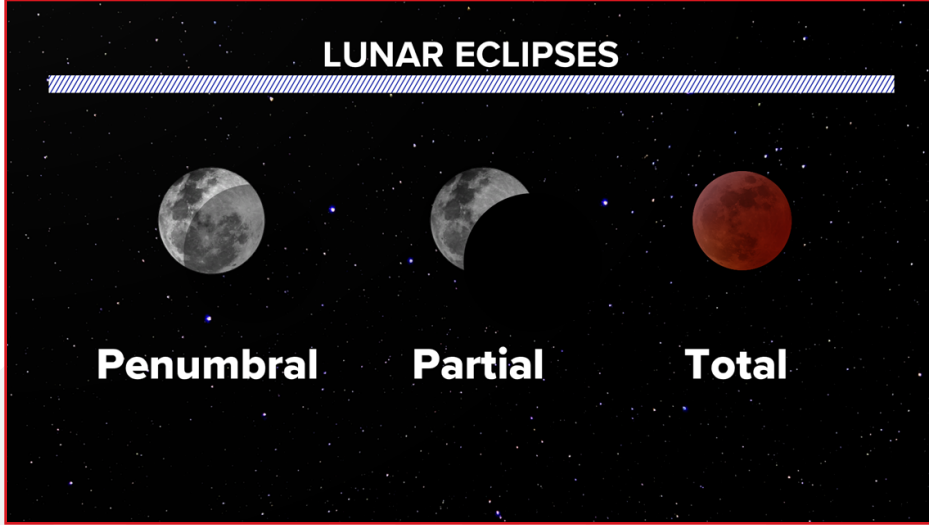
IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ♦ **पूर्ण चंद्र ग्रहण:** जब चंद्रमा पृथ्वी की आंतरिक और सबसे गहन छाया (*Umbra*) से होकर गुजरता है, तो वह गहरे धुंधले अथवा लाल रंग का प्रतीत होता है।
- ♦ **आंशिक ग्रहण:** जब चंद्रमा का केवल कुछ भाग प्रतिछाया से होकर गुजरता है।
- ♦ **अर्द्धछाया ग्रहण:** जब चंद्रमा केवल पृथ्वी की बाहरी छाया (*पेनम्ब्रा*) में प्रवेश करता है। इसमें प्रकाश का मंद पड़ना बहुत सूक्ष्म होता है और प्रायः स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता।



- ♦ **“ब्लड मून” प्रभाव:**
 - **ब्लड मून** प्रभाव इसलिये होता है क्योंकि पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य के प्रकाश को चंद्रमा तक पहुँचने से पहले ही अवरोध कर देता है। जब प्रकाश वायुमंडल से होकर गुजरता है, तो
 - ❑ नीला प्रकाश सरलता से विसरित जाता है (इसी कारण आकाश नीला दिखाई देता है)।
 - ❑ लाल प्रकाश पृथ्वी के चारों ओर मुड़कर चंद्रमा तक पहुँचता है, जिससे पूर्ण ग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल अथवा ताँबे के रंग का होता जाता है।
 - ▲ चमकदार लाल चंद्रमा शुद्ध एवं कम प्रदूषित वायु का सूचक है।
 - ▲ गहरा लाल चंद्रमा वायु में अधिक धूल, राख अथवा प्रदूषण की उपस्थिति को दर्शाता है।
- ♦ **वैज्ञानिक संबंध**
 - **ब्लड मून** की घटना के पीछे वही प्रक्रिया कार्य करती है, जो आकाश तथा सूर्यास्त को रंग प्रदान करती है: **रेले प्रकीर्णन** (*Rayleigh Scattering*), जिसकी व्याख्या भौतिक विज्ञानी **जॉन विलियम स्ट्रट, तृतीय बैरन रेले** ने की थी।
 - **दिवाकालीन आकाश:** कम तरंग दैर्ध्य वाली नीली रोशनी सभी दिशाओं में प्रकीर्णित हो जाती है, जिसके कारण आकाश नीला दिखाई देता है।
 - **सूर्योदय और सूर्यास्त:** इस समय सूर्य का प्रकाश वायुमंडल की मोटी परतों से होकर गुजरता है, जिससे नीला प्रकाश प्रकीर्णित होकर नष्ट हो जाता है। परिणामस्वरूप लंबी तरंग दैर्ध्य वाला प्रकाश (लाल, नारंगी और पीला) आकाश को रंग प्रदान करता है।
 - ❑ **चंद्र ग्रहण के समय,** चंद्रमा पृथ्वी के वायुमंडल से होकर गुजरती सारी सूर्यास्त की किरणों में घिरा प्रतीत होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



विश्व ड्यूशेन मस्कलर डिस्ट्रॉफी दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (DEPwD) प्रत्येक वर्ष 7 सितंबर को विश्व ड्यूशेन मस्कलर डिस्ट्रॉफी दिवस मनाता है।

मुख्य बिंदु

- ♦ संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2024 से प्रत्येक 7 सितंबर को विश्व ड्यूशेन जागरूकता दिवस के रूप में नामित किया।
- ♦ इस दिवस का उद्देश्य प्रभावित व्यक्तियों एवं परिवारों के प्रति वैश्विक एकजुटता, सहानुभूति और जागरूकता को बढ़ावा देना है।
- ♦ थीम: वर्ष 2025 की थीम “परिवार: देखभाल का केंद्र” है।
 - यह थीम DMD प्रभावित व्यक्तियों के लिये परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है।
 - यह प्रेम, सहयोग और धैर्य के साथ-साथ समावेशन, जागरूकता एवं सामुदायिक सहयोग को भी रेखांकित करती है।

ड्यूशेन मस्कलर डिस्ट्रॉफी (DMD)

- ♦ DMD एक दुर्लभ और प्रगतिशील आनुवंशिक विकार है, जो एक्स गुणसूत्र में उत्परिवर्तन के कारण होता है। इसके चलते मांसपेशियों की रक्षा करने वाले प्रोटीन डिस्ट्रोफिन का उत्पादन नहीं हो पाता।
- ♦ इस रोग का नाम डॉ. ड्यूशेन डी बोलोगने के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1860 के दशक में इसका विस्तार से वर्णन किया था।
- ♦ यह मुख्यतः पुरुषों को प्रभावित करता है क्योंकि उनके पास केवल एक X गुणसूत्र होता है।
- ♦ **लक्षण:**
 - प्रारंभिक अवस्था में चलने-फिरने में कठिनाई।
 - धीरे-धीरे गतिशील क्रियाओं की शक्ति क्षीण होती जाती है।
 - समय के साथ श्वसन क्षमता प्रभावित होती है और हृदय (जो स्वयं एक मांसपेशी है) पर भी प्रभाव पड़ता है।
- ♦ **मस्तिष्क पर प्रभाव:** डिस्ट्रोफिन मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में भी भूमिका निभाता है, जिसके कारण प्रभावित बच्चों में सीखने और व्यवहार संबंधी चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं।
- ♦ **निदान:** विश्व स्तर पर DMD का निदान प्रायः 4 वर्ष की आयु के बाद होता है। हालाँकि, माता-पिता लक्षण पहले ही पहचान लेते हैं, लेकिन औसतन 2.5 वर्ष की देरी से निदान होता है। कुछ लक्षण अत्यंत छोटे बच्चों में भी दिखाई देने लगते हैं।

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा ज्ञान भारतम पोर्टल लॉन्च किया।

- ♦ यह एक समर्पित डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है, जिसका उद्देश्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुँच को बढ़ावा देना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- ❖ उद्देश्य: सम्मेलन का उद्देश्य भारत की पांडुलिपि विरासत को पुनर्जीवित करना तथा उसे वैश्विक ज्ञान विमर्श के केंद्र में स्थापित करना था।
- ❖ आयोजन अवधि: यह तीन दिवसीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर, 2025 तक आयोजित हुआ, जिसका विषय था “पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत को पुनः प्राप्त करना”, जो दिल्ली घोषणा-पत्र को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।
 - ⦿ यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्वामी विवेकानंद के वर्ष 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिये गये ऐतिहासिक भाषण की 132वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित हुआ।
- ❖ सम्मेलन में दुर्लभ पांडुलिपियों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई, साथ ही संरक्षण और डिजिटलीकरण पर विद्वानों की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं।
- ❖ मुख्य विषय: कार्यकारी समूहों ने प्राचीन लिपियों की व्याख्या, सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण उपकरण, संरक्षण तथा पुनर्स्थापन तथा कानूनी एवं नैतिक मुद्दों जैसे विषयों पर चर्चा की।

ज्ञान भारतम परियोजना

- ❖ ज्ञान भारतम मिशन के रूप में आरंभ की गई यह पहल, संस्कृति मंत्रालय के अधीन रहेगी तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थापित होगा।
- ❖ उद्देश्य: एक ऐसे संस्थान की स्थापना करना, जो भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) की तरह कार्य करे, किंतु लक्ष्य पांडुलिपियों के संरक्षण और व्याख्या पर हो।
 - ⦿ इसका उद्देश्य एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण करना तथा निर्बाध समन्वय के लिये सभी राज्यों में क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करना भी है।
- ❖ प्रतिस्थापन: ज्ञान भारतम, वर्ष 2003 में शुरू किये गये राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन का स्थान लेगा, ताकि भारत में पांडुलिपि संरक्षण को संस्थागत और सतत ढाँचा प्रदान किया जा सके।
- ❖ वित्तपोषण: वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में घोषित इस परियोजना के लिये प्रारंभिक निधि 400 करोड़ रुपये आवंटित की गई है।

IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला

चर्चा में क्यों ?

- दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मक्तूम ने दुबई इंटरनेशनल एकेडमिक सिटी (DIAC) में भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (IIM-A) के पहले विदेशी कैंपस का उद्घाटन किया।
- ❖ एक अन्य पहल में, भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने IIT दिल्ली अबू धाबी में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AIC) का उद्घाटन किया, जो किसी भारतीय संस्थान द्वारा आयोजित पहला विदेशी AIC है।

मुख्य बिंदु

- ❖ कैंपस के बारे में:
 - ⦿ IIM-A दुबई कार्यरत पेशेवरों और उद्यमियों के लिये पूर्णकालिक एक वर्षीय MBA के साथ सितंबर के अंत तक अपनी शैक्षणिक गतिविधियाँ आरंभ कर देगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भारतीय संस्थानों जैसे मणिपाल विश्वविद्यालय, सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय, BITS पिलानी और एमिटी विश्वविद्यालय, जिन्होंने दुबई में अपने कैंपस स्थापित किये हैं के अधिकारियों के साथ एक गोलमेज चर्चा भी की तथा शोध को कागजों से उत्पादों तक ले जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।
- उन्होंने UAE में 109 भारतीय स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ भी संवाद किया (अन्य वर्चुअली जुड़े) और घोषणा की कि 12 UAE स्कूलों में **अटल टिकरिंग लैब्स (ATLs)** स्थापित की जाएंगी ताकि छात्रों में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके।

अटल इनोवेशन मिशन (AIM):

- ◆ यह भारत सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य **नवाचार और उद्यमशीलता** की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।
- ◆ AIM के मुख्य उद्देश्यों के तहत नए अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AICs) स्थापित किये जाते हैं, जो **नवोन्मेषी स्टार्ट-अप** को विस्तार योग्य और सतत उद्यम बनने में समर्थन देते हैं।
- ◆ अटल टिकरिंग लैब्स (ATLs) स्कूलों में (कक्षा 6-12) छात्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिये 3D प्रिंटिंग जैसे उपकरणों का उपयोग करती हैं।

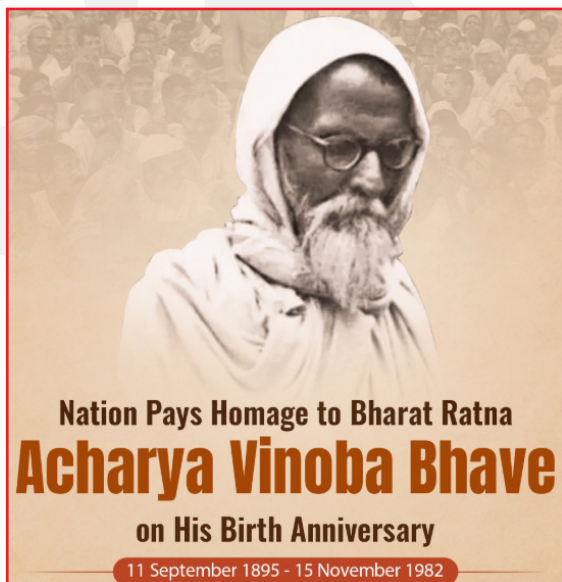
विनोबा भावे जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **आचार्य विनोबा भावे की जयंती** पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत के आध्यात्मिक, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में उनके अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया।

मुख्य बिंदु

- ◆ आचार्य विनोबा भावे के बारे में:



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- विनायक नरहरि भावे का जन्म 11 सितंबर, 1895 को गागोडे, बॉम्बे प्रेसीडेंसी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था।
- वह एक स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और आध्यात्मिक शिक्षक थे, जो **महात्मा गांधी** के अहिंसा तथा समानता के सिद्धांतों से बहुत प्रभावित थे।

❖ पुरस्कार एवं सम्मान:

- विनोबा भावे वर्ष 1958 में **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे, जिन्हें यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिला।
- उन्हें वर्ष 1983 में मरणोपरांत **भारत रत्न** (भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार) से भी सम्मानित किया गया था।

❖ गांधी के साथ जुड़ाव:

- विनोबा भावे ने 7 जून, 1916 को गांधी से मुलाकात की और आश्रम में निवास किया।
- आश्रम के एक सदस्य मामा फड़के ने उन्हें विनोबा (एक पारंपरिक मराठी विशेषण जो महान सम्मान का प्रतीक है) नाम दिया था।
- 8 अप्रैल, 1921 को विनोबा भावे, गांधी के निर्देशों के तहत वर्धा में एक **गांधी-आश्रम का प्रभार** लेने के लिये गए।
 - ❖ वर्धा में अपने प्रवास के दौरान वर्ष 1923 में उन्होंने मराठी में एक मासिक '**महाराष्ट्र धर्म**' का प्रकाशन किया, जिसमें उपनिषदों पर उनके निबंध प्रकाशित किये गए थे।

❖ स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:

- उन्होंने **असहयोग आंदोलन** के कार्यक्रमों में भाग लिया और विशेष रूप से आयातित विदेशी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का आह्वान किया।
- वर्ष 1940 में उन्हें भारत में गांधीजी द्वारा ब्रिटिश राज के खिलाफ **पहले व्यक्तिगत सत्याग्रही** (सामूहिक कार्रवाई के बजाय सत्य के लिये खड़े होने वाले व्यक्ति) के रूप में चुना गया था।
- उन्हें आचार्य (शिक्षक) की सम्मानित उपाधि दी गई थी।

❖ भूदान आंदोलन:

- वर्ष 1951 में विनोबा भावे ने तेलंगाना के हिंसाग्रस्त क्षेत्र से पैदल अपनी शांति यात्रा शुरू की।
- वर्ष 1951 में **तेलंगाना के पोचमपल्ली (Pochampalli) गाँव** के हरिजनों ने उनसे जीविकोपार्जन के लिये लगभग 80 एकड़ भूमि प्रदान कराने का अनुरोध किया।
- विनोबा ने गाँव के जमींदारों को आगे आने और हरिजनों को संरक्षित करने के लिये कहा।
 - ❖ उसके बाद एक जमींदार ने आगे बढ़कर आवश्यक भूमि प्रदान करने की पेशकश की।
 - ❖ यह भूदान (भूमि का उपहार) आंदोलन की शुरुआत थी।
- यह आंदोलन 13 वर्षों तक जारी रहा और इस दौरान विनोबा भावे ने देश के विभिन्न हिस्सों (कुल 58,741 किलोमीटर की दूरी) का भ्रमण किया।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- वह लगभग 44 लाख एकड़ भूमि एकत्र करने में सफल रहे, जिसमें से लगभग 13 लाख एकड़ भूमि को गरीब, भूमिहीन किसानों के बीच वितरित किया गया।
- ❖ साहित्यिक रचना:
 - उनकी महत्वपूर्ण पुस्तकों में स्वराज्य शास्त्र, गीता प्रवचन और तीसरी शक्ति आदि शामिल हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा आयोजित प्रथम वार्षिक ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- ❖ सम्मेलन के बारे में:
 - यह सम्मेलन 11 से 12 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञ सत्र, इंटरैक्टिव गोलमेज बैठकें और भारत की हरित ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने वाली 25 अग्रणी कंपनियों के साथ एक स्टार्ट-अप एक्सपोजे शामिल था।
 - इस कार्यक्रम में 25 स्टार्ट-अप्स ने इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण, AI-संचालित अनुकूलन और जैविक हाइड्रोजन समाधान के क्षेत्र में अपनी सफलताओं का प्रदर्शन किया।
 - हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट-अप्स का समर्थन करने के लिये 100 करोड़ रुपये के प्रस्ताव आमंत्रण (Call for Proposals) भी जारी किये गए।
 - इस योजना के तहत प्रत्येक परियोजना को 5 करोड़ रुपये तक की राशि प्रदान की जाएगी, जो हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण, परिवहन और उपयोग से संबंधित पायलट पहल के लिये प्रयोग की जा सकेगी।

भारत का ग्रीन हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र

- ❖ बंदरगाह: तमिलनाडु के वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर भारत की पहली बंदरगाह-आधारित पायलट परियोजना।
- ❖ इस्पात: हाइड्रोजन-चालित डीकार्बोनाइजेशन को प्रदर्शित करने वाली पाँच पायलट परियोजनाएँ।
- ❖ शिपिंग: तूतीकोरिन बंदरगाह पर रेट्रोफिट जहाज और ईंधन भरने की सुविधाएँ।
- ❖ परिवहन: हाइड्रोजन बसें और ईंधन भरने वाले स्टेशन कार्यरत हैं।
- ❖ उर्वरक: पहली बार हरित अमोनिया नीलामी में रिकॉर्ड निम्न मूल्य का खुलासा हुआ, जिसकी आपूर्ति ओडिशा के पारादीप फॉस्फेट्स से शुरू हुई।
- ❖ हाइड्रोजन हब: कांडला, पारादीप और तूतीकोरिन बंदरगाहों पर समर्पित हाइड्रोजन हब का विकास किया जा रहा है।
- ❖ मिशन: राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (NGHM) वर्ष 2023 में 19,744 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ शुरू किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (National Green Hydrogen Mission-NGHM)

नोडल मंत्रालय

- ▶ नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

NGHM के घटक

- ▶ ग्रीन हाइड्रोजन ट्रंजिशन प्रोग्राम के लिये रणनीतिक क्रियाकलाप (SIGHT)
- ▶ रणनीतिक हाइड्रोजन नवाचार भागीदारी (SHIP) (अनुसंधान एवं विकास के लिये सार्वजनिक-निजी भागीदारी)

GH2 वर्तमान में व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नहीं है; भारत में वर्तमान लागत लगभग 350-400/किग्रा है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन का लक्ष्य इसे 100/किग्रा के नीचे लाना है।

उद्देश्य

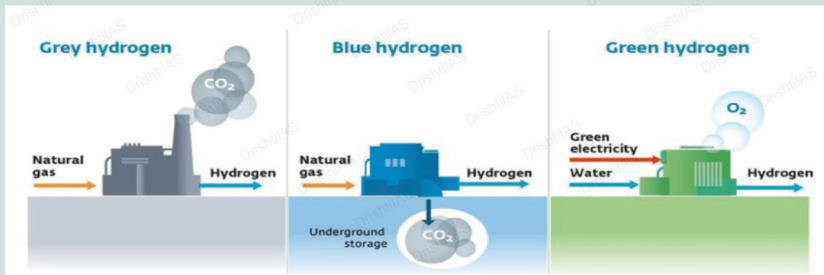
- ▶ ऊर्जा/उद्योग/मोबिलिटी क्षेत्र को डीकार्बोनाइज (कार्बन मुक्त) करना
- ▶ स्वदेशी निर्माण क्षमता विकसित करना
- ▶ GH2 और इसके व्युत्पन्नों के लिये निर्यात के अवसर सृजित करना

वर्ष 2030 तक अपेक्षित परिणाम

- ◆ प्रति वर्ष कम-से-कम 5 MMT (मिलियन मीट्रिक टन) हरित हाइड्रोजन (GH2) का उत्पादन
- ◆ जीवाश्म ईंधन के आयात में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत
- ◆ छह लाख से अधिक रोजगार
- ◆ वार्षिक CO2 उत्सर्जन में लगभग 50 MMT की कमी
- ◆ ₹ 8 लाख करोड़ से अधिक का कुल निवेश

हाइड्रोजन तथा हरित हाइड्रोजन

- ◆ हाइड्रोजन प्रकृति में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है लेकिन यह अन्य तत्वों के साथ संयोजन में ही मौजूद होता है। इसे प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यौगिकों (जैसे जल) से अलग किया जाता है।
- ◆ अक्षय/नवीकरणीय ऊर्जा (RE) द्वारा संचालित विद्युत अपघटनी/इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग करके इलेक्ट्रोलाइसिस/विद्युत अपघटन नामक विद्युत प्रक्रिया के माध्यम से जल के विभाजन द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन (GH2) बनाया जाता है।



दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

लिवरपूल में आयोजित **महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025** में भारतीय मुक्केबाज **जैस्मीन लंबोरिया** ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता **जूलिया जेरेमेता** को हराकर **फेदरवेट (57 किग्रा)** का **खिताब** हासिल किया।

♦ उनके साथ, **मीनाक्षी हुड्डा** ने भी 48 किग्रा में **स्वर्ण पदक** जीता, जो विदेश में आयोजित **विश्व चैंपियनशिप** में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

मुख्य बिंदु

♦ जैस्मीन लंबोरिया:

- उन्होंने अपने तीसरे विश्व चैंपियनशिप में पोलैंड की **जूलिया सेरेमेता** को 4-1 से हराकर अपना **पहला पदक** जीता है और विश्व खिताब जीतने वाली वह **नौवीं भारतीय मुक्केबाज** बन गई हैं।
- वह छह बार की विजेता **मैरी कॉम** (वर्ष 2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता **निखत जरीन** (2022 और 2023), **सरिता देवी** (2006), **जेनी आरएल** (2006), **लेखा केसी** (2006), **नितु घनघास** (2023), **लवलीना बोगोहेन** (2023) और **स्वीटी बूडा** (2023) की प्रतिष्ठित सूची में शामिल हो गई।
- उन्होंने पेरिस ओलंपिक (2024) में पहले दौर से बाहर होने के निराशा को पीछे छोड़ते हुए यह सफलता प्राप्त की।
- इससे पूर्व, उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप (2021) में **कांस्य पदक**, **राष्ट्रमंडल खेलों** (2022) में **पदक** और **वर्ल्ड कप 2024**, **अस्ताना** में **स्वर्ण पदक** जीता था।

♦ मीनाक्षी हुड्डा की जीत:

- मीनाक्षी ने जुलाई, 2025 में हुई अपनी अस्ताना वर्ल्ड कप हार का बदला लेते हुए महिला 48 किग्रा फाइनल (गैर-ओलंपिक श्रेणी) में **स्वर्ण पदक** जीता।
- उन्होंने कजाखस्तान की तीन बार की विश्व चैंपियन और **पेरिस ओलंपिक** की **कांस्य पदक** विजेता **नाज़िम काइज़ेबे** को हराया।
- उन्होंने इससे पहले वर्ष 2022 में 52 किग्रा में **एशियाई रजत पदक** जीता था।

♦ अन्य पदक विजेता:

- **नूपुर श्योराण (+80 किग्रा)**: पोलैंड की अगाता काकज़मरस्का को मात्र 2-3 के अंतर से हराकर रजत पदक जीता।
- **पूजा रानी (80 किग्रा)**: सेमीफाइनल में इंग्लैंड की एमिली एस्क्वथ को हराकर कांस्य पदक जीता।

♦ **महत्त्व**: भारत ने विश्व चैंपियनशिप में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर महिला मुक्केबाजी में अपनी स्थिति को तथा **सुदृढ़** किया।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





महिला हॉकी एशिया कप 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने **महिला एशिया कप 2025** में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये भारतीय महिला हॉकी टीम को बधाई दी, जिन्होंने रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया।

मुख्य बिंदु

- महिला एशिया कप के विषय में:



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ❖ चीन की महिला हॉकी टीम ने हांगजो में आयोजित **एशिया कप 2025** के फाइनल में भारत को 4-1 से हराकर जीत हासिल की।
 - ⦿ इस जीत के साथ, चीन ने **बेल्जियम** और **नीदरलैंड** में आयोजित होने वाले **हॉकी विश्व कप 2026** के लिये क्वालीफाई कर लिया।
- ❖ यह चीन का तीसरा **एशिया कप खिताब** है; इससे पहले वह वर्ष 1989 (हॉन्गकॉन्ग) और वर्ष 2009 (बैंकॉक) में विजेता रह चुका है।
- ❖ इस **एशिया कप** में **भारत** ने **रजत पदक** तथा **जापान** ने **कांस्य पदक** जीता।
- ❖ हालाँकि भारत को अब **हॉकी विश्व कप 2026** में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिये **विश्व कप क्वालीफायर** से गुजरना होगा।
- ❖ **भारत का पूर्व प्रदर्शन:**
 - ⦿ **टोक्यो ओलंपिक 2020:** चौथे स्थान पर समापन।
 - ⦿ **पेरिस ओलंपिक 2024:** अर्हता प्राप्त करने में असफल।
 - ⦿ **प्रो लीग:** संघर्षपूर्ण प्रदर्शन, अंतिम स्थान पर रहकर निम्न रैंक मिली।
 - ⦿ **एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024:** विजेता

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा पूसा, नई दिल्ली में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025' का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- ❖ **सम्मेलन के बारे में:**
 - ⦿ यह पहली बार है जब केंद्रीय कृषि मंत्री **शिवराज सिंह चौहान** की पहल पर रबी सम्मेलन दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है।
 - ⦿ **थीम:** सम्मेलन की थीम '**वन नेशन - वन एग्रीकल्चर - वन टीम**' है, जिसका उद्देश्य भारत के कृषि क्षेत्र में **समन्वित प्रयासों और साझेदारियों** को बढ़ावा देना है।
- ❖ **उद्देश्य:**
 - ⦿ सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य रबी सीजन 2025-26 के लिये **तैयारियों, उत्पादन लक्ष्यों और रणनीतियों** पर विचार-विमर्श करना है, ताकि आगामी कृषि सीजन के लिये व्यापक योजना सुनिश्चित हो सके।
 - ⦿ भारत की कृषि वृद्धि दर वर्तमान में **3.7%** है, जो वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक है। इसका श्रेय **किसानों, वैज्ञानिकों और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों** के संयुक्त प्रयासों को दिया जाता है।
- ❖ **लक्षित क्षेत्र:**
 - ⦿ कृषि विस्तार कार्य के महत्त्व पर जोर दिया जाएगा तथा ज़मीनी स्तर की **रणनीतियों में सुधार** के लिये केंद्र सरकार, राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संबंधित संस्थानों द्वारा **संयुक्त कार्यक्रमों** का आह्वान किया जाएगा।
 - ⦿ मंत्री ने **नकली उर्वरक, बीज और कीटनाशक** बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा किसानों के हितों की रक्षा हेतु केवल मानक **जैव-उत्तेजक उत्पाद** की बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ मौसम पूर्वानुमान और फसल बीमा:

- मौसम की संरचना में बढ़ती अनिश्चितता को देखते हुए फसल बीमा कवरेज का विस्तार किया जाना आवश्यक है, विशेषकर किसानों को राहत सुनिश्चित करने के लिये **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिये।

❖ भावी कृषि अनुसंधान:

- भविष्य के कृषि अनुसंधान का ध्यान किसानों की वास्तविक समस्याओं को हल करने पर होना चाहिये, न कि केवल सैद्धांतिक शोधपत्र प्रकाशित करने पर।
- खेती की चुनौतियों का समाधान करने के लिये अक्टूबर 2025 में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाया जाएगा।

31वाँ विश्व ओजोन दिवस

चर्चा में क्यों ?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने 16 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में 31वें **विश्व ओजोन दिवस** का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

❖ विश्व ओजोन दिवस के बारे में:

- यह दिवस प्रत्येक वर्ष 16 सितंबर को मनाया जाता है। यह वर्ष 1987 में **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पर हस्ताक्षर करने का स्मृति दिवस है, जो एक महत्वपूर्ण अंतराष्ट्रीय संधि है और इसका उद्देश्य **ओजोन क्षयकारी पदार्थों (ODS)** के उत्पादन एवं उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।
- वर्ष 2025 का विषय, 'विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक' (From Science to Global Action), पृथ्वी और उसके भविष्य की रक्षा के लिये नीति निर्माण तथा अंतराष्ट्रीय सहयोग में वैज्ञानिक खोज की शक्ति पर जोर देता है।

ओजोन

- पृथ्वी की सतह से 10-40 किमी. ऊँचाई पर **समतापमंडल (stratosphere)** में स्थित ओजोन परत हमें हानिकारक UV विकिरण से बचाती है।
- इस सुरक्षात्मक परत को **स्ट्रैटोस्फेरिक ओजोन** या **अच्छा ओजोन** कहा जाता है। यह नेत्र रोग (मोतियाबिंद), **त्वचा कैंसर** जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचाती है और **कृषि, वानिकी** तथा समुद्री जीवन की सुरक्षा करती है।
- हालाँकि, मानव निर्मित **ओजोन क्षयकारी पदार्थों** समताप मंडल में ओजोन का क्षरण कर रहे हैं।
- अंतराष्ट्रीय समुदाय ने कार्रवाई की आवश्यकता को पहचानते हुए वर्ष 1985 में **विघना कन्वेंशन** और वर्ष 1987 में **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पारित किये।
- हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs)** को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में शामिल करने से **किगाली समझौता** हुआ, जिसे भारत ने सितंबर 2021 में अनुमोदित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स

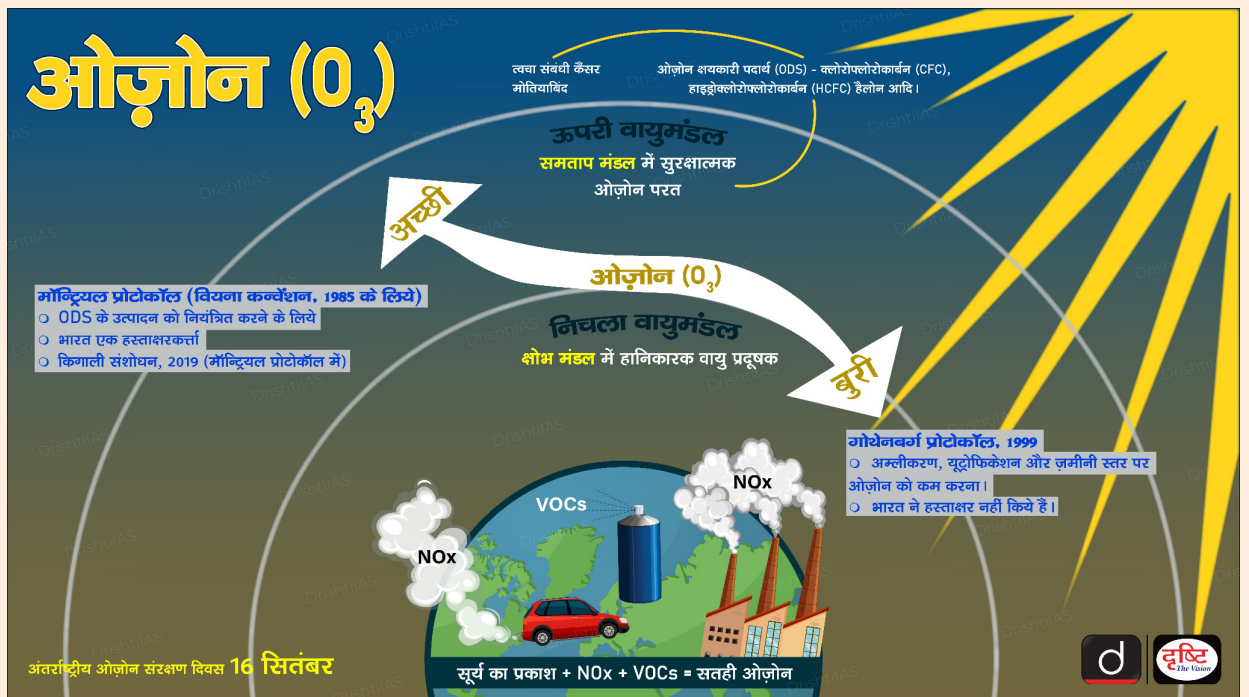


IAS करेंट
अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





क्षोभमंडलीय ओज़ोन

- ◆ क्षोभमंडलीय या **जमीनी स्तर का ओज़ोन**, जिसे खराब ओज़ोन भी कहा जाता है, एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक है, जो वायुमंडल में केवल कुछ घंटों से लेकर कुछ सप्ताह तक ही रहता है।
- ◆ इसका कोई प्रत्यक्ष उत्सर्जन स्रोत नहीं है, बल्कि यह एक यौगिक है जो **वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (Volatile Organic Compounds- VOC)** के साथ सूर्य के प्रकाश और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x), जो बड़े पैमाने पर मानव गतिविधियों के कारण उत्सर्जित होते हैं, की परस्पर क्रिया से बनता है, इसमें **मीथेन** भी शामिल है।

वैशाली रमेशबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस जीता

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज़्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित **FIDE महिला ग्रैंड स्विस 2025** में उल्लेखनीय जीत पर **भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू** को बधाई दी।

मुख्य बिंदु

- ◆ वैशाली रमेशबाबू ने 40,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीती और **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026** में स्थान सुरक्षित किया, जो आगामी **महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप** के लिये अगले दावेदार का निर्धारण करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ❖ वैशाली इस इवेंट को दो बार जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं।
- ❖ इस उपलब्धि के साथ वैशाली कोनेरु हंपी और दिव्या देशमुख के साथ तीसरी भारतीय महिला बनीं जिन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिये क्वालीफाई किया।
- ❖ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट वर्तमान महिला विश्व शतरंज चैंपियन चीन की वेनजुन जू के लिये दावेदार का निर्धारण करेगा, जिसमें चीन, रूस और भारत की खिलाड़ी पहले ही स्थान सुरक्षित कर चुकी हैं।
- ❖ अपने पूर्व प्रदर्शन में, वैशाली ने मई 2025 में नॉर्वे महिला शतरंज टूर्नामेंट में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया था किंतु महिला विश्व कप में क्वार्टर फाइनल में टैन झोंगयी से पराजित हो गई थीं।



FIDE ग्रैंड स्विस

- ❖ FIDE ग्रैंड स्विस, जिसकी शुरुआत वर्ष 2019 में हुई (महिला आयोजन 2021 से प्रारंभ हुआ), विश्व शतरंज चैंपियनशिप चक्र का एक प्रमुख टूर्नामेंट है।
- ❖ यह टूर्नामेंट स्विस प्रणाली पर आधारित 11 राउंड के साथ द्विवार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है और इसमें शीर्ष वैश्विक खिलाड़ी भाग लेते हैं। इसे शतरंज की सबसे कठिन तथा अप्रत्याशित प्रतियोगिताओं में से एक माना जाता है।
- ❖ इसकी खुली प्रकृति के कारण, दोनों श्रेणियों में शीर्ष दो स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी सीधे विश्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं, जहाँ विश्व चैंपियन के खिताब के लिये एक दावेदार का चयन किया जाता है।
- ❖ वर्ष 2025 का संस्करण उज्बेकिस्तान के समरकंद एक्सपो सेंटर में 4 से 15 सितंबर तक आयोजित किया गया।
 - 🌀 इसमें ओपन वर्ग में 116 खिलाड़ियों ने तथा महिला वर्ग में 56 खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- ❖ इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 8,55,000 अमेरिकी डॉलर थी, जिसमें ओपन वर्ग के लिये 6,25,000 अमेरिकी डॉलर और महिला वर्ग के लिये 2,30,000 अमेरिकी डॉलर निर्धारित थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

आनंदकुमार वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में सीनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पहले विश्व चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर, 2025 तक चीन के बेइदाईहे (Beidaihe) में आयोजित की जा रही है , जहाँ आनंदकुमार वेलकुमार ने 1:24.924 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।
- अतिरिक्त पदक: वेलकुमार ने 500 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता, जो स्पीड स्केटिंग में भारत का पहला सीनियर विश्व चैंपियनशिप पदक था।
- जूनियर प्रतियोगिता में सफलता: इस चैंपियनशिप में जूनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में कृष शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत के शानदार प्रदर्शन में योगदान दिया।



स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप

- वर्ष 1891 से आईएसयू (ISU) स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप इस खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रही है, जो एकल दूरी, ऑलराउंड एवं स्प्रिंट प्रारूपों के बीच बारी-बारी से आयोजित होती रही है।
- एकल दूरी प्रारूप (वर्ष 1996 में शुरू): यह प्रारूप ओलंपिक वर्ष से पहले और बाद के वर्षों में आयोजित होता है। इसमें खिलाड़ी 16 विश्व खिताबों के लिये प्रतिस्पर्धा करते हैं।
 - इसमें पुरुषों की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर और 10,000 मीटर, महिलाओं की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर तथा 5000 मीटर प्रतियोगिताएँ शामिल हैं, साथ ही मास स्टार्ट, टीम पर्स्यूट एवं टीम स्प्रिंट प्रतियोगिताएँ भी होती हैं।
- ऑलराउंड प्रारूप: यह स्पीड स्केटिंग परंपरा का एक आधार है, जिसमें पुरुष 1891 से और महिलाएँ 1936 से भाग ले रही हैं।
- स्प्रिंट प्रारूप (1970 से): इस चैंपियन प्रतियोगिता में गति और सटीकता का परीक्षण किया जाता है।
 - इसमें खिलाड़ी 500 मीटर और 1000 मीटर की दौड़ दो-दो बार करते हैं तथा उनके संयुक्त परिणाम के आधार पर चैंपियन घोषित किया जाता है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

चैंपियन नीरज चोपड़ा को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में वे आठवें स्थान पर रहे। जबकि उनके सहकर्मी सचिन यादव ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- ❖ **पदक और परिणाम:** स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (88.16 मीटर) ने जीता, जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने रजत (87.38 मीटर) तथा अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने कांस्य (86.67 मीटर) जीता।
- ❖ **नीरज चोपड़ा का संघर्ष:** वर्षों से अपनी निरंतरता के बावजूद, वह 85 मीटर का आँकड़ा पार करने में असफल रहे और 84.03 मीटर के श्रो के साथ वे आठवें स्थान पर रहे।
- ❖ यह वर्ष 2018 के बाद से उनकी पहली प्रतियोगिता है, जहाँ वह शीर्ष तीन से बाहर रहे। जबकि टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक जीत के बाद उनका लगातार पोडियम प्रदर्शन रहा है।
- ❖ **सचिन यादव का प्रदर्शन:** उत्तर प्रदेश के खेकड़ा गाँव के रहने वाले सचिन यादव ने 86.27 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ श्रो फेंककर न केवल नीरज चोपड़ा को पीछे छोड़ा, बल्कि जूलियन वेबर और अरशद नदीम जैसे उल्लेखनीय प्रतियोगियों को भी पीछे छोड़ दिया।
- ❖ सचिन का यह प्रदर्शन उनकी क्षमता और स्थिर खेल शैली को दर्शाता है, जो उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने के बाद से लगातार प्रदर्शित की है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

- ❖ **स्थान:** विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर, 2025 तक टोक्यो, जापान में आयोजित की जा रही है, जिसमें नौ दिनों तक प्रतिस्पर्धा होगी।
- ❖ **आयोजन अवलोकन:** यह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का 20वाँ संस्करण है, जिसमें लगभग 200 देशों के 2,000 से अधिक एथलीट भाग ले रहे हैं।
- ❖ कुल 49 प्रतियोगिताएँ होंगी, जिनमें 147 पदक हैं। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिये 24 प्रतियोगिताएँ होंगी, साथ ही एक मिश्रित प्रतियोगिता भी शामिल है।

सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली में स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय, जो अपनी तरह का विश्व का एकमात्र संग्रहालय है, ने 17 सितम्बर, 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल के AI संचालित होलोबॉक्स का अनावरण किया।

मुख्य बिंदु

- ❖ **परिचय:**
 - ❶ दर्शकों ने AI-संचालित होलोबॉक्स 3D अवतार के साथ संवाद किया, जिसमें उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और भारत के इतिहास में उनके महत्वपूर्ण योगदान से संबंधित प्रश्न पूछे।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- यह अवतार उनके स्वर में उत्तर देता है, जो उनके भाषणों, पुस्तकों और अभिलेखीय स्रोतों पर आधारित होते हैं, जिससे एक प्रामाणिक शैक्षिक अनुभव प्राप्त होता है।
- अवतार द्वारा दिये गए उत्तर उनकी विचारधारा और जीवन की प्रमुख घटनाओं को प्रतिबिंबित करते हैं।

उद्देश्य:

- इस पहल का उद्देश्य ऐतिहासिक जुड़ाव में प्रौद्योगिकी का एकीकरण कर वैश्विक मानक स्थापित करना है। इसका विशेष लक्ष्य युवा पीढ़ी को आकर्षित करना और इतिहास को अधिक सुगम व रोचक बनाना है।

भविष्य की योजनाएँ:

- पटेल के AI अवतार की सफलता के पश्चात, प्रधानमंत्री संग्रहालय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के लिये एक पूर्णाकृति होलोबॉक्स शुरू करने की योजना बना रहा है।
- इससे भारत के महान नेताओं के ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता और भी सशक्त होगी।

ऐतिहासिक महत्त्व

- 17 सितंबर का दोहरा महत्त्व है; एक ओर यह 1948 में ऑपरेशन पोलो की सफलता का प्रतीक है, जब सरदार पटेल के नेतृत्व में हैदराबाद का भारत में विलय हुआ। दूसरी ओर, यही दिन वर्ष 1950 में जन्मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस भी है, जिनकी ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ की दृष्टि, पटेल की राष्ट्रीय एकता की विरासत को साकार करती है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल

73वीं पुण्यतिथि पर नमन

प्रमुख योगदान

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ खेड़ा सत्याग्रह (1918) और बारदोली सत्याग्रह (1928) में महत्वपूर्ण भूमिका

भारतीय संविधान सभा की विभिन्न समितियों का नेतृत्व किया

भारतीय संघ में लगभग 565 रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका

आधुनिक अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना

संक्षिप्त परिचय

31 अक्टूबर, 1875

को नडियाद, गुजरात में जन्म

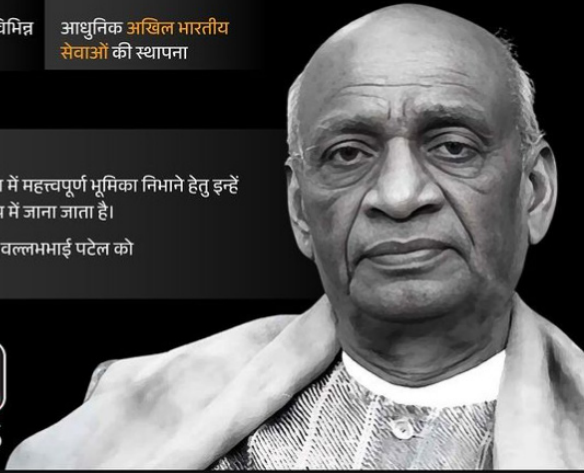
भारत के पहले गृहमंत्री और उप-प्रधानमंत्री

15 दिसंबर, 1950

को बंबई में मृत्यु

अन्य तथ्य

- भारतीय संघ के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु इन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है।
- बारदोली की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी।






Drishti IAS

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट:

- AI-संचालित होलोबॉक्स एक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी है, जो **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** को होलोग्राफिक डिस्प्ले के साथ एकीकृत करती है।
- यह इंटरैक्टिव और सजीव 3D छवियाँ व अवतार तैयार करती है, जिनसे दर्शक स्वाभाविक रूप से वॉयस कमांड, हावभाव और भावनात्मक संकेतों के माध्यम से संवाद कर सकते हैं।

भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026**चर्चा में क्यों ?**

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने **भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026** की पहल तथा लोगो (Logo) का अनावरण किया है, जिसका आयोजन भारत में किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- समिट के बारे में:**
 - यह समिट 19 से 20 फरवरी 2026 को **भारत मंडपम**, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा और इसमें वैश्विक नेता, नीति-निर्माता, शोधकर्ता तथा नवप्रवर्तक शामिल होंगे।
 - यह समिट, जो किसी **ग्लोबल साउथ देश** द्वारा आयोजित किया जाने वाला पहला समिट है, मानव, ग्रह और प्रगति पर केंद्रित होगा।
 - AI की परिवर्तनकारी क्षमता पर ध्यान देते हुए, समिट में सात विषयगत चक्रों के माध्यम से वैश्विक AI चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की जाएगी।
- आधिकारिक लोगो और मुख्य प्रतीक:**
 - समिट का आधिकारिक लोगो **अशोक चक्र** से प्रेरित है, जो भारत के **नैतिक शासन और संवैधानिक मूल्यों** का प्रतीक है।
 - इस मुख्य प्रतीक से न्यूरल नेटवर्क की किरणें बाहर की ओर फैलती हैं, जो उद्योगों, भाषाओं और क्षेत्रों में AI के परिवर्तनकारी प्रभाव का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो विभाजन को पाटने तथा समावेशी प्रगति को बढ़ावा देने में मदद करती हैं।
- प्रमुख पहलें:**
 - AI पिच फेस्ट (UDAAN):**
 - यह वैश्विक AI **स्टार्टअप्स** को प्रदर्शित करने के लिये एक मंच है, जिसमें भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमों पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिनमें महिलाओं तथा दिव्यांग परिवर्तनकर्ताओं द्वारा संचालित उद्यम भी शामिल होंगे।
 - IndiaAI डेटा और AI लैब्स:**
 - 30 IndiaAI डेटा और AI लैब्स लॉन्च की जा चुकी हैं, जो 570-लैब नेटवर्क के प्रारंभिक चरण का प्रतीक हैं।
 - ये लैब्स **प्यूचर स्किल्स पहल** के अंतर्गत आधारभूत **AI और डेटा प्रशिक्षण** प्रदान करेंगी, विशेष रूप से टियर 2 तथा टियर 3 शहरों में AI एवं डेटा एनोटेशन में कौशल विकास पर केंद्रित होंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



● IndiaAI फेलोशिप प्रोग्राम:

- ❏ इस प्रोग्राम का विस्तार कर 13,500 विद्यार्थियों को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कानून, वाणिज्य और लिबरल आर्ट्स जैसे विविध विषयों के छात्रों पर विशेष जोर दिया गया है।

मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

23 सितंबर 2025 को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा मलयालम अभिनेता मोहनलाल को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

❖ मोहनलाल के बारे में:



- 21 मई 1960 को पथानमथिट्टा में जन्मे मोहनलाल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत थिरानोट्टम (1978) से की तथा मंजिल विरिंजा पुक्कल (1980) में खलनायक के रूप में पदार्पण किया।
- वर्ष 1986 में, राजाविते मकान में उनकी भूमिका ने उन्हें मलयालम सिनेमा के पहले आधुनिक सुपरस्टार के रूप में स्थापित कर दिया।
- 45 से अधिक वर्षों और 400 से अधिक फिल्मों के साथ, मोहनलाल मॉलीवुड (Mollywood) में एक प्रमुख व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने थनमथरा, इरुवर, दृश्यम और लूसिफ़र जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में अभिनय किया है।
- उन्हें वर्ष 1991 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिये राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला और वर्ष 2001 में पद्म श्री तथा वर्ष 2019 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

❖ दादा साहब फाल्के पुरस्कार:

- यह देश का सर्वोच्च फिल्म सम्मान है जिसकी शुरुआत वर्ष 1969 में हुई थी, जो “भारतीय सिनेमा के विकास और वृद्धि में उत्कृष्ट योगदान” के लिये दिया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- यह पुरस्कार पहली बार “भारतीय सिनेमा की प्रथम महिला” देविका रानी को प्रदान किया गया था।
- इस पुरस्कार में एक स्वर्ण कमल, 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रमाण-पत्र, एक रेशम रोल और एक शॉल शामिल है।
- इसे **भारत के राष्ट्रपति** द्वारा दिया जाता है।

❖ धुंडीराज गोविंद फाल्के:

- वह एक भारतीय निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक थे, जिन्होंने **भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र (1913)** का निर्देशन किया था।
- उन्हें “भारतीय सिनेमा के जनक” के रूप में जाना जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, **भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केंद्र (ISLRTC)** ने 23 सितंबर, 2025 को “सांकेतिक भाषा दिवस” मनाया।

- ❖ साथ ही **शिक्षा मंत्रालय** ने **केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET)** और **NCERT** के सहयोग से 15 से 19 सितंबर, 2025 तक भारतीय सांकेतिक भाषा पर विशेष पाँच-दिवसीय लाइव कार्यक्रम भी आयोजित किया।

मुख्य बिंदु

❖ दिवस के बारे में:

- **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने बधिर लोगों के **मानवाधिकारों** को साकार करने में सांकेतिक भाषा के महत्त्व को रेखांकित करने के लिये 23 सितंबर को **अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस** के रूप में घोषित किया।
- यह तिथि वर्ष 1951 में **विश्व बधिर महासंघ (WFD)** की स्थापना का प्रतीक है, जो विश्व स्तर पर बधिर व्यक्तियों के अधिकारों और उनकी मान्यता के लिये कार्य करता है।
- **दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर अभिसमय**, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2006 में अपनाया था, सांकेतिक भाषाओं को बोली जाने वाली भाषाओं के बराबर मान्यता देता है तथा सदस्य देशों को बधिर समुदाय की भाषायी पहचान को बढ़ावा देने के लिये बाध्य करता है।
- भारत वर्ष 2007 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन करने वाले प्रथम देशों में से एक था।
- **थीम 2025:** इस वर्ष की थीम “सांकेतिक भाषा के अधिकारों के बिना मानवाधिकार नहीं” है, जो बधिर व्यक्तियों के लिये गरिमा और सम्मान सुनिश्चित करने के साधन के रूप में सांकेतिक भाषा की मान्यता बढ़ाने का आह्वान करती है।
- **8वीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता:** आयोजन के अंतर्गत आठवीं **राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता** के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसमें देश के विद्यालयों से 13 श्रेणियों में प्रतिभागियों ने भाग लिया और बधिर समुदाय की रचनात्मकता तथा प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स

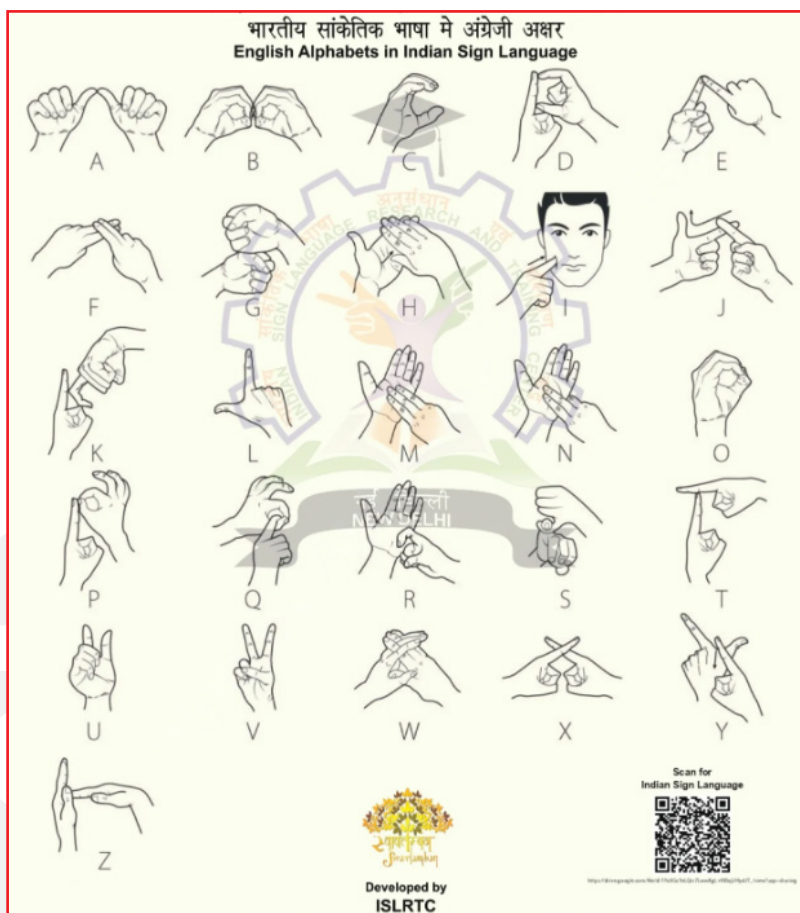


IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





विश्व खाद्य भारत 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री 25 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में **विश्व खाद्य भारत** के चौथे संस्करण का उद्घाटन करेंगे, जिसमें 90 से अधिक देश, 2,000 से अधिक प्रदर्शक और हजारों हितधारक भाग लेंगे।

मुख्य बिंदु

विश्व खाद्य भारत 2025 के बारे में

♦ आयोजन:

- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा 25 से 28 सितंबर 2025 तक आयोजित **विश्व खाद्य भारत 2025**, खाद्य प्रसंस्करण और आपूर्ति के लिये भारत की क्षमता को '**वैश्विक खाद्य केंद्र**' के रूप में उजागर करेगा।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- भारत **दूध, प्याज और दाल** का सबसे बड़ा उत्पादक है तथा चावल, गेहूँ, गन्ना, चाय, फल, सब्जियाँ एवं अंडे का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- पिछले दशक में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 7.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर का FDI इक्विटी निवेश आया है।
- ❖ साझेदार एवं फोकस देश:
 - न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब साझेदार देशों के रूप में भाग लेंगे, जबकि जापान, UAE, वियतनाम तथा रूस फोकस देशों के रूप में भाग लेंगे।
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम:
 - **भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI)** द्वारा तीसरा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन: वैश्विक नियामकों को खाद्य सुरक्षा मानकों के सामंजस्य पर विचार-विमर्श करने और अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग को मजबूत करने के लिये एक विशिष्ट मंच प्रदान करना।
 - **भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ (SEAI)** द्वारा 24वाँ भारत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री खाद्य शो (IISS): भारत की बढ़ती समुद्री खाद्य निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना।
- ❖ मुख्य फोकस स्तंभ:



विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025

चर्चा में क्यों ?

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में **विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025** का उद्घाटन किया गया, जहाँ **प्रधानमंत्री** ने पैरा एथलीटों की बाधाओं को तोड़ने और नए मानदंड स्थापित करने के लिये सराहना की तथा भारत की खेल-केंद्रित एवं समावेशी पहचान को रेखांकित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

- परिचय: यह चैंपियनशिप 27 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की जाएगी, जिसमें 104 देशों के 2,200 एथलीट्स भाग ले रहे हैं, जो भारतीय भूमि पर अब तक आयोजित सबसे बड़ा पैरा एथलीट आयोजन होगा।
- भारत की उपलब्धि: इस आयोजन में भारत का अब तक का सबसे बड़ा 74 एथलीटों का दल भी शामिल होगा।
 - भारत पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेज़बानी करेगा, जो कतर, संयुक्त अरब अमीरात तथा जापान के बाद ऐसा करने वाला चौथा एशियाई देश होगा।
- अवसंरचना: यह आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में नवनिर्मित मोंडो ट्रैक पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका उपयोग पहले पेरिस पैरालिंपिक 2024 में किया गया था और जिसे राष्ट्रीय खेल दिवस पर उद्घाटित किया गया।
 - मुख्य प्रतियोगिता ट्रैक के साथ-साथ, एक मोंडो वार्म-अप ट्रैक और एक बहु-विशिष्ट जिम्नेजियम का भी उद्घाटन किया गया, जो एक साथ 200 एथलीटों को प्रशिक्षित करने में सक्षम है तथा विश्व स्तरीय खेल अवसंरचना के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- पूर्व उपलब्धि: भारत की पैरा खेलों में उल्लेखनीय प्रगति स्पष्ट है। भारत ने जापान के कोबे में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2024 में अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें छह स्वर्ण, पाँच रजत और छह कांस्य सहित 17 पदकों के साथ छठा स्थान प्राप्त किया।
- महत्त्व: यह आयोजन भारत की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों की मेज़बानी शामिल है, जिसमें वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों के लिये पहले से ही योजनाएँ चल रही हैं और वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेज़बानी करने की आकांक्षा है।

छठा नदी उत्सव

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने छठे नदी उत्सव का उद्घाटन किया तथा नदियों के संरक्षण हेतु नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया।

- उन्होंने नमामि गंगे परियोजना के महत्त्व को रेखांकित किया, जो नदियों की स्वच्छता बनाए रखने, अतिक्रमण रोकने और धार्मिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पवित्र नदियों के संरक्षण पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- उद्देश्य: संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) द्वारा आयोजित नदी उत्सव में नदियों के महत्त्व को आवश्यक जीवनरेखा और सांस्कृतिक जलाशय के रूप में उजागर किया गया।
 - उत्सव में नदियों के पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और कलात्मक आयामों को उजागर किया गया, जिससे उनकी महत्ता को गहराई से समझने का अवसर मिला।
- कार्यक्रम की अवधि: यह कार्यक्रम 25 से 27 सितंबर 2025 तक दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें सेमिनार, फिल्म स्क्रीनिंग और प्रदर्शनियाँ शामिल थीं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- **रिवरस्केप डायनेमिक्स:** परिवर्तन और निरंतरता शीर्षक वाले सेमिनार में पारंपरिक नदी ज्ञान, नदी देवताओं तथा लोक कथाओं एवं नदियों की कला, शिल्प व विज्ञान में भूमिका पर चर्चा की गई।
- ◆ **मेरी नदी की कहानी:** इस उत्सव में नदियों से जुड़े पर्यावरणीय मुद्दों और मानव संबंधों पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री था फिल्में प्रदर्शित की गईं।
- प्रदर्शित फिल्मों में गोताखोर: लुप्त होते गोताखोर समुदाय, भारत का नदी पुरुष, अर्थ गंगा, मोलाई - जंगल के पीछे का आदमी, कावेरी - जीवन की नदी और लद्दाख -सिंधु नदी के किनारे जीवन शामिल हैं।



भगत सिंह की जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रांतिकारी भगत सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की, उनके साहस को महान प्रेरणा का स्रोत बताते हुए सराहा।



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



प्रमुख बिंदु

- ❖ **जन्म:** भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (वर्तमान पाकिस्तान) में हुआ था। वह एक सिख परिवार से थे, जो उपनिवेश-विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे; उनके पिता, किशन सिंह और चाचा, अजीत सिंह, प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे।
- ❖ **प्रारंभिक जीवन:** 12 वर्ष की आयु में **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** देखा, जिसने उनमें देशभक्ति की गहरी भावना और भारत की स्वतंत्रता के लिये संघर्ष करने का संकल्प उत्पन्न किया।
- ❖ **शिक्षा:** **लाला लाजपत राय** द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज, लाहौर में दाखिला लिया, जिसने **स्वदेशी आंदोलन** पर जोर दिया और क्रांतिकारी विचारों के लिये एक मंच प्रदान किया।
- ❖ **क्रांतिकारी संगठन:** भगत सिंह वर्ष 1924 में **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)** के सदस्य बने, जिसे बाद में वर्ष 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) नाम दिया गया।
 - नौजवान भारत सभा की स्थापना भगत सिंह ने वर्ष 1926 में की थी, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करना था।
 - ❖ **प्रमुख कार्य:** पुलिस की बर्बरता के कारण लाला लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध के रूप में वर्ष 1928 में पुलिस अधिकारी जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र मामले) में शामिल हुए।
 - 18 अप्रैल, 1929 को बी.के. दत्त के साथ मिलकर दमनकारी ब्रिटिश कानूनों के विरोध में **केंद्रीय विधानसभा** में बम फेंका।
 - ❖ **गिरफ्तारी और मुकदमा:** वर्ष 1929 में बम कांड के लिये गिरफ्तार किये गए और बाद में **लाहौर षडयंत्र मामले** में हत्या का आरोप लगाया गया। उन पर मुकदमा चलाया गया, दोषी ठहराया गया और मृत्युदंड की सजा सुनाई गई।
 - 23 मार्च, 1931 को लाहौर में साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरु के साथ फाँसी दी गई। भगत सिंह को स्नेहपूर्वक शाहिद-ए-आज़म के नाम से जाना जाता है।
 - ❖ **साहित्यिक योगदान:** उन्होंने महत्वपूर्ण रचनाएँ लिखीं, जिनमें **व्हाय आई एम एन एथीस्ट (मैं नास्तिक क्यों हूँ)**, **द जेल नोटबुक एंड अदर राइटिंग्स** और समाजवाद व क्रांति की वकालत करने वाले कई राजनीतिक घोषणापत्र शामिल हैं।
 - अपने प्रारंभिक कार्य विश्व प्रेम (Universal Love) में सिंह ने समानता के महत्व की घोषणा की। उन्होंने एक ऐसे विश्व की कल्पना की, जो भुखमरी और युद्ध से मुक्त हो तथा जहाँ मानवता जाति तथा राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे हो।
 - ❖ **विचारधारा:** उन्होंने **मार्क्सवादी** और **समाजवादी** विचारधाराओं का समर्थन किया, तर्कशीलता, समानता तथा न्याय पर जोर दिया। उन्होंने **संगठित धर्म की आलोचना** की और इसे मानसिक तथा शारीरिक दासता का रूप माना।
 - ❖ **विरासत:** उन्हें राष्ट्रीय नायक और शहीद के रूप में सम्मानित किया जाता है; उनके जन्मदिवस तथा फाँसी की तिथि प्रतिवर्ष भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करने के लिये मनाई जाती है।
 - हर वर्ष 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिये **शहीद दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



भारत ने एशिया कप जीता

चर्चा में क्यों ?

भारत ने दुबई में एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर अपना नौवां खिताब जीता और टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ तीनों मैच जीतकर अजेय रहा।



प्रमुख बिंदु

◆ एशिया कप रिकॉर्ड:

- भारत: 9 खिताब (किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक)
- श्रीलंका: 6 खिताब
- पाकिस्तान: 2 खिताब

◆ प्लेयर ऑफ द मैच: तिलक वर्मा

◆ प्लेयर ऑफ द सीरीज: अभिषेक शर्मा

◆ एशिया कप फॉर्मेट: यह ODI और T20I फॉर्मेट के बीच वैकल्पिक रूप से आयोजित होता है।

- यह भारत का एशिया कप 2023 (ODI फॉर्मेट) जीतने के बाद लगातार दूसरा खिताब है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के नए डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया है, जो 9 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगा। वे एम. राजेश्वर राव का स्थान लेंगे।



प्रमुख बिंदु

- ❖ **परिचय:** शिरीष चंद्र मुर्मू, जो वर्तमान में RBI में कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, को **तीन वर्षों की अवधि** के लिये इस पद पर नियुक्त किया गया है।
 - ⦿ वे वर्ष 1991 में RBI में शामिल हुए और क्षेत्रीय निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों के साथ-साथ बैंकिंग विनियमन, मुद्रा प्रबंधन तथा सूचना प्रौद्योगिकी में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर भी कार्य कर चुके हैं।
- ❖ **कार्य:** अपने नए पद पर वे **बैंकिंग विनियमन, वित्तीय बाज़ार और मौद्रिक नीति** सहित प्रमुख दायित्वों का निर्वहन करेंगे।
- ❖ **नियुक्ति:** उनकी नियुक्ति को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) द्वारा अनुमोदित किया गया था।
 - ⦿ कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC), जिसकी अध्यक्षता **प्रधानमंत्री** करते हैं और जिसमें **गृह मंत्री** सदस्य होते हैं, वरिष्ठ सरकारी नियुक्तियाँ करने के लिये जिम्मेदार है।
- ❖ **संरचना:** **RBI अधिनियम, 1934** के अनुसार, केंद्रीय बैंक में **चार डिप्टी गवर्नर** होने आवश्यक हैं: दो RBI के भीतर से, एक **वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र** से और एक **अर्थशास्त्री** जो मौद्रिक नीति विभाग का नेतृत्व करेगा।
 - ⦿ वर्तमान डिप्टी गवर्नर में शिरीष चंद्र मुर्मू के अलावा टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और पूनम गुप्ता शामिल हैं।



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप

